RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 211 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 21 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

संसद का मानसून सत्र प्रारंभ

22 मिनट में आतंक के आकाओं को जमींदोज किया : पीएम

खास बातें : माओवाद व नक्सलवाद का दायरा छोटा हुआ › भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना › सेना के सामर्थ्य की सराहना जरूरी

> *'दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का सामर्थ्य देखा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, 22 मिनट के अंदर, आतंकवादियों के आकाओं के घरों को जमींदोज कर दिया गया। मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति के इस नए रूप की ओर दुनिया बहुत आकर्षित हुई है।*

दिल्ली (एजेंसी)। आज से संसद का मॉनसून सत्र 2025 शुरू हो गया है सत्र की शुरुआत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'बारिश हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आने वाले दिनों में देश को इसका लाभ होगा। ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण सत्र है।

PM ने सत्र की शुरुआत में कहा कि मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है. अब तक की खबरों के मुताबिक देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है। कृषि को लाभदायक मौसम की खबरें हैं. बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण होता है... पिछले 10 सालों में इस बार 3 गुना पानी का भंडार हुआ है, जिसका आने वाले दिनों में भी देश के अर्थतंत्र को बहुत लाभ होगा।

आज हमारे सुरक्षा बल एक नए आत्मविश्वास और नक्सलवाद को खत्म करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज कई जिले नक्सलवाद से मुक्त हैं। देश में माओवाद और नक्सलवाद का दायरा छोटा हो रहा है। हमें गर्व है कि बंदूक के आगे हमारे देश का संविधान जीत रहा है। जो जोन पहले रेड जोन थे, वो अब देश के लिए ग्रीन जोन बनते जा रहे हैं और इस सत्र में देश के इस गौरवगान के पूरा देश सुनेगा और हर सांसद से सुनेगा।

पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले हम दुनिया में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, लेकिन अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने जा रहे हैं। भारत दुनिया के मंच पर अपनी तक्करी से दस्तक दे रहा है। PM ने कहा, 'आर्थिक क्षेत्र में जब 2014 में आप सभी ने हमें ज़िम्मेदारी दी थी, तब देश फ्रैजाइल फाइव के चरण से गुज़र रहा था. 2014 से पहले हम वैश्विक अर्थव्यवस्था में दसवें नंबर पर थे। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है।'

पीएम ने ये भी कहा, 2014 से पहले देश में एक समय ऐसा था जब मुद्रास्फीति की दर दोहरे अंकों में थी। आज ये दर घटकर लगभग दो प्रतिशत रह जाने से, देश के आम लोगों के जीवन में राहत और सुविधा आई है. 25 करोड़ गरीब लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं, जिसकी सराहना दुनिया की कई संस्थाएं कर रही हैं।

पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, 'दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना का सामर्थ्य देखा। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, 22 मिनट के अंदर, आतंकवादियों के आकाओं के घरों को जमींदोज कर दिया गया। मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति के इस नए रूप की ओर दुनिया बहुत आकर्षित हुई है। इन दिनों जब भी मैं दुनिया के लोगों से मिलता हूं तो भारत द्वारा बनाए जा रहे मेड इन इंडिया हथियारों के प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ता ही जा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को लेकर हंगामा

मानसून सत्र की शुरूआत हंगामेदार रही। लोकसभा में विपक्ष ने आतंकियों के खिलाफ चलाये गए 'ऑपरेशन सिंदूर' व बिहार में 'सर' पर तुरंत चर्चा की मांग की विपक्ष की मांग थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद जवाब दो। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा।

ऑटो में सवारी बैठाकर लूटपाट करने वाले बदमाशों से मुठभेड़

पुलिस की गोली से दो बदमाश लंगड़े

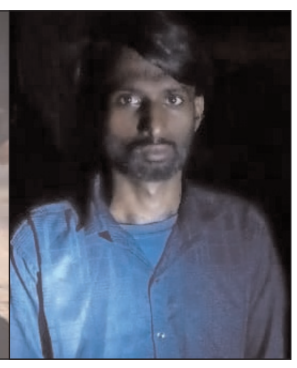

नोएडा (चेतना मंच)। ऑटो में बैठाकर सवारियों से लूटपाट करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को थाना सेक्टर 126 पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए जबकि तीसरे बदमाश को पुलिस ने कांबिंग के दौरान दबोचा। पकड़े गए बदमाशों के पास से वारदात में प्रयुक्त ऑटो, तमंचा, कारतूस, लूट गया लैपटॉप, मोबाइल फोन तथा नगदी बरामद हुई है।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि थाना सेक्टर 126 प्रभारी भूपेंद्र सिंह व पुलिस टीम सेक्टर 133 में जेपी कट पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस टीम ने संदिग्ध ऑटो को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर ऑटो सवार भगाने लगे। संदेह के आधार पर किए गए पीछे के दौरान ऑटो सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए। जबकि इनका तीसरा साथी मौके से फरार हो गया।

एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाशों की पहचान (शेष पृष्ठ-3 पर)

दुर्घटना में घायल सैमसंग कर्मी की अस्पताल में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस 2 क्षेत्र में बीते दिनों हुए सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। घायल के परिजन उसे उपचार के लिए उड़ीसा के कटक में स्थित मेडिकल कॉलेज कटक ले गए थे। मृतक के भाई ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जनपद केंद्रपाड़ा उड़ीसा निवासी चंद्रकांता बारिक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका भाई सूर्यकांत बारिक ग्राम भंगेल बेगमपुर में किराए पर रहता था। वह मैसर्स सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड फेस 2 में काम करता था। 18 मई को रविवार की छुट्टी होने के कारण उसका भाई सूर्यकांत अपनी बाइक से अपने जानकार से मिलने के लिए जा रहा था। गेझा के शनि मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी थी इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

गंभीर स्थिति में उसे सेक्टर 110 स्थित यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि उनके परिवार प्राइवेट अस्पताल का खर्च बहन करने में असमर्थ था। जिस कारण उन्होंने अपने भाई सूर्यकांत बारी को एससीबी मेडिकल कॉलेज कटक उड़ीसा के लिए रेफर करवा लिया। उपचार के दौरान 9 जून को उसके भाई की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला उत्पीड़न के खिलाफ कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

संसद भवन के घेराव को कूच करती कार्यकर्ता को पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश समेत कई भाजपा शासिज राज्यों में महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न को लेकर आज कांग्रेस पार्टी ने जमकर प्रदर्शन किया। सभी महिलाएं पार्टी कार्यालय से संसद भवन का घेरान करने जा रही थीं तभी पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया।

अखिलभारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक तथा हिमाचल प्रदेश की प्रभारी पूनम पंडित ने बताया कि उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों में महिलाओं के साथ हत्या, बलात्कार, शोषण तथा उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल हीमें ग्रेटर नोएडा के शारदा विद्यालय के कॉलेज प्रबंधन के मानसिक उत्पीड़न के चलते बीडीएस की छात्रा ज्योति ने आत्महत्या कर ली। परिजनों के विरोध करने पर पुलिस ने जमकर लाठी बरसाई। ऐसी कई घटनांए हैं। भाजपा सरकार ऐसे अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है। उन्होंने बता कि महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण का भी कहीं पालन नहीं हो रहा है।

अन्तर्राष्ट्रीय शूटर किसान नेता अखिल भारतीय महिला कांग्रेस पर्यवेक्षक पूर्व विधायक प्रत्याशी कांग्रेस नेता पूनम पडित के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं के साथ दिल्ली कांग्रेस दफ्तर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुई।

इस अवसर पर गाजियाबाद महिला जिला अध्यक्ष सोनल नागर, गौतमबुद्धनगर महिला जिलाध्यक्ष राधा रानी,महेदी,सलमा,गुलबसा, किशोरी, आनंदी, विनोदा, ज्योति पाल, युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान, (शेष पृष्ठ-3 पर)

घोटाले के आरोपी उद्यान उपनिदेशक की बहाली बना चर्चा का विषय!

● सीईओ डॉ लोकेश एम ने शासन से की थी निलंबन की संस्तुति

नोएडा (चेतना मंच)। सत्ता बदलने के बाद भी व्यवस्था में कोई खास परिवर्तन नहीं होता है। कम से कम नोएडा प्राधिकरण के मामले में यह बात अक्षरस: सही साबित होती है। ऊंची पहुंच तथा नोटों की चमक के आगे सब कुछ संभव है। ऐसे कई उदाहरण देखने को मिलते रहते हैं।

हाल ही में उद्यान विभाग में उप निदेशक खण्ड-1 के पद पर राजेन्द्र सिंह की बहाली इसका ताजा उदाहरण है। 17 जुलाई को राजेन्द्र सिंह को उद्यान खण्ड प्रथम में उपनिदेशक के पद पर तैनाती दे दी गई। राजेन्द्र सिंह अभी तक एक घोटाले के आरोप में कार्मिक विभाग में संबद्ध चल रहे थे।

मालूम हो कि नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने राजेन्द्र सिंह को खण्ड-3 में उपनिदेशक पद से हटाकर कार्मिक विभाग से संबद्ध कर दिया था। यहीं नहीं एक ही कार्य का दो बार एस्टीमेट बनाने के आरोप में सीईओ ने शासन को राजेन्द्र सिंह के खिलाफ निलंबन के लिए आख्या लिखकर भेजी थी। जनवरी माह में सीईओ के निरीक्षण में उद्यान विभाग की लापरवाही सामने आई थी।

बता दें कि उद्यान विभाग खण्ड-3 ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर 1.99 करोड़ रूपये के टेंडर जारी करने के बजाय उसी कार्य का दूसरा एस्टीमेट 2.99 करोड़ का तैयार कर सीईओ की सैद्धांतिक मंजूरी लेने का प्रयास किया।

एसीईओ वंदना त्रिपाठी तथा वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार ने जांच में इस एस्टीमेट फाइल को पकड़ा लिया था। उद्यान खण्ड-3 के उपनिदेशक राजेन्द्र सिंह को विभागीय स्तर पर कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें पद से हटाकर कार्मिक विभाग से संबद्ध कर दिया था। सीईओ ने सभी भुगतान पर रोक भी लगा दी थी। यही नहीं सीईओ डॉ. लोकेश एमने निलंबन के लिए शासन को भी संस्तुति भेजी थी। इसके बाद भी राजेन्द्र सिंह को उद्यान विभाग में उसी पद पर बहाल कर दिया गया। इसको लेकर प्राधिकरण में भी खासी चर्चा है।

कार की टक्कर में युवक का टूटा पैर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र में बीते दिनों एक युवक को जानबूझकर टक्कर मारने के आरोप में कार सवार दो अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस दुर्घटना में युवक के पैर की हड्डी टूट गई। सर्जरी होने के बाद ही युवक अब दोबारा अपने पैरों पर चल पाएगा।

सेक्टर गामा दो निवासी इंदू सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा कौस्तुभ सिंह 18 जुलाई की शाम को अपने दोस्त कृष्णा सनी और शिवम के साथ पास के पार्क की तरफ जा रहा था। तभी एक तेज गति में आई एक कार के चालक ने जानबूझकर उनके बेटे कौस्तुभ सिंह को टक्कर मार दी। कार में दो युवक सवार थे। जानकारी मिलने पर वह अपनी बेटी के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को फोन किया मौके पर पहुंची पुलिस घायल कौस्तुभ को शारदा केयर की इमरजेंसी में लेकर पहुंची। प्राथमिक उपचार के पश्चात चिकित्सकों ने बताया कि कौस्तुभ सिंह की सीधे पैर की हड्डी टूट गई है। हड्डी जोड़ने के लिए उसकी सर्जरी करनी होगी। इंदू सिंह के मुताबिक (शेष पृष्ठ-3 पर)

तिरपाल के पीछे से बिकेगी शराब, कांवड़ मार्ग पर 58 ठेकों को ढंका

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद गौतमबुद्धनगर में कांवड़ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए आबकारी विभाग ने कांवड़ यात्रा मार्ग में आने वाले शराब के ठेकों को तिरपाल व प्लास्टिक से ढकना शुरू कर दिया है। कांवड़ मार्ग में पड़ने वाले नोएडा ग्रेटर नोएडा के 58 ठेकों को विभाग द्वारा ढकवाया गया है।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध श्रीवास्तव ने बताया कि कांवड़ यात्रा के मद्देनजर यात्रा में पड़ने वाले अंग्रेजी में देसी शराब के ठेकों को ढकवाया जा रहा है। नोएडा में ग्रेटर नोएडा में कांवड़ मार्ग में पड़ने वाली कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप व देशी शराब के ठेकों के संचालकों को दुकान के बाहर तिरपाल व प्लास्टिक से कवर करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब के ठेकों को केवल तिरपाल से कवर किया जा रहा है। तिरपाल के पीछे दुकान खुली और शराब की बिक्री जारी रहेगी। कांवड़ मार्ग में पड़ने वाले शराब के ठेकों के संचालकों को इस नियम का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए कांवड़ यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले ठेकों को कवर किया गया है। उन्होंने बताया कि सर्कल 1 में दो, सर्कल तीन में 6, (शेष पृष्ठ-3 पर)

गाजियाबाद के पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिण्डन जोन निमिषा पाटिल द्वारा प्रभारी निरीक्षक साहिबाबाद व पुलिस बल के साथ कांवड़ यात्रा के सुचारू संचालन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत रात्रि के समय थाना साहिबाबाद क्षेत्रान्तर्गत जीटी रोड पर कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जीटी रोड पर कांवड़ यात्रा के लिए निर्धारित लेन पर यातायात का नियमन करते हुए यात्रा के सुचारू संचालन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

भविष्य के हथियार

ऑपरेशन सिंदूर सही मायनों में भारतीय वायु सेना की श्रेष्ठता का एक अद्भुत प्रदर्शन था। निस्संदेह, भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का पाकिस्तान को न केवल कड़ा जवाब दिया बल्कि नये दौर के युद्ध कौशल का सफल परीक्षण भी किया। लेकिन हम सिर्फ इससे आत्मसंतुष्ट होकर नहीं बैठ सकते। भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने दुनिया के मौजूदा परिदृश्य पर बिल्कुल सही कहा है कि आज का युद्ध कल की तकनीक से लड़ा जाना चाहिए, न कि बीते जमाने की हथियार प्रणालियों से। दरअसल, हर पल बदलती युद्ध कौशल की तकनीकों में बात बढ़त लेने की है। यह एक हकीकत है कि जो भी देश ऐसा करने में विफल रहेगा, निश्चित रूप से उसकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उनका कहना सही ही है कि मानवरहित हवाई वाहन यानी यूएवी आमने-सामने की लड़ाई के विपरीत गैर-संपर्क युद्ध के तेजी से विकसित होते परिदृश्य में एक बदलावकारी शक्ति के रूप में उभरे हैं। ड्रोन तकनीक के लगातार विकसित होते रहने से यह एक ऐसा घातक हथियार बन चुका है, जो दुश्मन देश के प्रमुख रक्षा प्रतिष्ठानों जैसे लक्ष्यों को तुरंत पहचानकर उन पर हमला कर सकता है। वास्तव में, भारत ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए अधिकांश ड्रोनों को मुख्य रूप से अपनी मजबूत वायु रक्षा प्रणाली के बूते ही बेअसर करने में सक्षम रहा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भविष्य के किसी युद्ध में पाकिस्तान के करीबी सहयोगी उसे बेहतर यूएवी की आपूर्ति करेंगे ताकि पाकिस्तान की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इस खतरे के प्रति सतर्क रहते हुए भारत के लिये जरूरी हो जाता है कि हम यूएवी और मानवरहित स्वदेशी प्रणालियों के विकास पर अपना विशेष ध्यान केंद्रित करें। साथ ही इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि ये भारतीय परिस्थितियों और जरूरतों के भी अनुकूल हों। तभी हम आसन्न चुनौतियों का मुकाबला बेहतर ढंग से कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। इसमें दो राय नहीं कि हाल ही के दिनों में यूरोप और एशिया में जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन व मानवरहित विमानों ने निर्णायक भूमिका निभायी है। इस दिशा में भारत पूर्वी यूरोप में ड्रोन-प्रधान संघर्ष से सबक ले सकता है। जहां यूक्रेन ने सैन्य शक्ति, तोपखाने और टैंकों के मामले में रूस की बढ़त का मुकाबला करने लिये यूएवी का भरपूर इस्तेमाल किया है। यही वजह है कि यूक्रेन की इस रणनीति ने रूस को अपना ध्यान यूएवी तकनीक पर केंद्रित करने के लिये बाध्य किया है। रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि दोनों देश प्रतिवर्ष चौंका देने वाली लाखों की दर से ड्रोन बना रहे हैं। ड्रोन उत्पादन के क्षेत्र में यूक्रेन के एक महाशक्ति के रूप में उदय ने भारत को ऐसे क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रेरित किया है, जहां अत्याधुनिक नवाचार ही सब कुछ है, अब चाहे इनका उपयोग किसी भी निश्चित उद्देश्य के लिये किया जाए। मसलन स्ट्राइक ऑपरेशन की निगरानी के लिये तथा रडार से छिपकर ये उड़ने वाली मशीनों को सुरक्षित बनाने के लिये। भारत के लिये यह सुनिश्चित करना एक चुनौती है कि उसके ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन तकनीक से बेहतर सिद्ध हों। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में यूएवी परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में निर्णायक साबित होगा। ऐसे में परंपरागत युद्ध कौशल से आगे जाकर हमें नई चुनौतियों का मुकाबला करना है। हमें न केवल अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करना है बल्कि ड्रोन व यूएवी तकनीक में ऐसी महारथ हासिल करनी है कि हम इनके निर्यातक के रूप में हथियार बाजार में अपनी पहचान बना सकें। निश्चित रूप से हम इससे अपनी विशाल युवा शक्ति के बूते और नई पीढ़ी के कौशल विकास से इन लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इससे जहां हम बड़े पैमाने पर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकेंगे, वहीं दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी अर्जित कर सकेंगे। हम देख रहे हैं कि दुनिया में आज उन्हीं देशों की कूटनीति का वर्चस्व है, जिनका हथियार उद्योग व तकनीकी नवाचार में बोलबाल है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि वह (उनमें से एक भाग) राजा ने कैकेयी को दिया। शेष जो बच रहा उसके फिर दो भाग हुए और राजा ने उनको कौसल्या और कैकेयी के हाथ पर रखकर (अर्थात उनकी अनुमति लेकर) और इस प्रकार उनका मन प्रसन्न करके सुमित्रा को दिया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि बिधि गर्भसहित सब नारी। भईं हृदयँ हरषित सुख भारी॥
जा दिन तें हरि गर्भहिं आए। सकल लोक सुख संपति छाए॥

इस प्रकार सब स्त्रियाँ गर्भवती हुईं। वे हृदय में बहुत हर्षित हुईं। उन्हें बड़ा सुख मिला। जिस दिन से श्री हरि (लीला से ही) गर्भ में आए, सब लोकों में सुख और सम्पत्ति छा गई॥

मंदिर महँ सब राजहिं रानीं। सोभा सील तेज की खानीं॥
सुख जुत कछुक काल चलि गयऊ। जेहिं प्रभु प्रगट सो अवसर भयऊ॥

शोभा, शील और तेज की खान (बनी हुई) सब रानियाँ महल में सुशोभित हुईं। इस प्रकार कुछ समय सुखपूर्वक बीता और वह अवसर आ गया, जिसमें प्रभु को प्रकट होना था॥

दो0-जोग लगन ग्रह बार तिथि सकल भए अनुकूल।
चर अरु अचर हर्षजुत राम जनम सुखमूल॥

योग, लग्न, ग्रह, वार और तिथि सभी अनुकूल हो गए। जड़ और चेतन सब हर्ष से भर गए। (क्योंकि) श्री राम का जन्म सुख का मूल है॥

(क्रमशः...)

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि 'देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है', 'संविधान खतरे में है', तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है।

देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में 'मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण' का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।

विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।

विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति 'विकास' की बजाय 'विरोध' पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।

विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर 'तानाशाही', 'संविधान बदलने की साजिश', 'जनविरोधी नीतियों' जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।

क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है। ऐसे में विपक्ष का यह दुष्प्रचार केवल उनकी साख को ही नुकसान पहुंचा रहा है। विपक्ष को चाहिए कि वह सकारात्मक राजनीति करे, वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करे, और जनता के विश्वास को अर्जित करे, न कि लोकतंत्र के अस्तित्व को ही संदेह के घेरे में लाकर अपनी विफलताओं पर पर्दा डाले। राजनीति केवल विरोध नहीं, समाधान का माध्यम होनी चाहिए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

सड़क हादसों में मौत को कैसे रोकें?

पंजाब से एक बड़ी दुखद खबर आई है कि भारत के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह को एक वाहन ने टक्कर मार दी और उनका निधन हो गया। मैराथन चैंपियन फौजा सिंह 114 साल के थे और उन्होंने सारी दुनिया में भारत की पताका फहराई थी। संगरूर में सुबह घर के बाहर टहलते हुए उनकी मौत हो गई। उन्होंने 100 वर्ष की उम्र में टोरंटो मैराथन जीतकर इतिहास रच दिया था। यह घटना चौंकाने वाली ही नहीं है, बल्कि यह उस भयानक स्थिति की ओर इंगित करती है जिससे आज पूरा भारत जूझ रहा है। भारत अब सड़क दुर्घटनाओं का देश हो गया है और हर साल लाख से भी ज्यादा लोग काल कलवित हो रहे हैं। यह बात बहुत हैरान करने वाली है कि भारत में दुनिया के सिर्फ एक प्रतिशत वाहन हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें 11 प्रतिशत हैं। पिछले चार सालों में भारत की सड़कों पर इतने लोग काल के गाल में समा गए जितनी फिनलैंड की कुल आबादी है। यहां पिछले कई वर्षों से सड़क दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अकाल मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन गई हैं। रोड एक्सीडेंट इन इंडिया नामक रिपोर्ट बताती है कि 2018 से 2022 के बीच पांच वर्षों में 7.77 लाख मौतें हुईं। इनमें सबसे ज्यादा 1.08 लाख उत्तर प्रदेश, 84 हजार तमिलनाडु और 66 हजार के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि पिछले साल 2024 में लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.80 लाख लोगों की मौतें हुईं। इससे भी ज्यादा विचलित करने वाली बात यह है कि हर दिन औसतन 42 बच्चे और 31 किशोर सड़कों पर जान गंवा बैठते हैं।

सड़क पर एक भी बच्चे की मौत एक पूरे परिवार को जीवन भर के लिए अवसाद में डाल देती है और उसके साथ ही उस परिवार के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है। मां-बाप अगर उस दुर्घटना में बच गए तो उन्हें जीवन पर यह दुख सालता रहेगा जैसा भारत के पूर्व कप्तान मुहम्मद अजहरुद्दीन के साथ हुआ। उनका बेटा और भतीजा हैदराबाद में तेज रफ्तार से सुपर बाइक चलाते हुए दुर्घटना का शिकार हो गए और उन दोनों की मौत हो गई। एक और ऐसी सड़क दुर्घटना हुई जिसके बारे में एक्सपर्ट भी बातें करते हुए और चिंतित हो जाते हैं। उस दुर्घटना में टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन और टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारी सायरस मिस्त्री की सड़क पर ही मौत हो गई। वह एक लग्जरी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए थे और कार चल रही थी 150 किलोमीटर की रफ्तार से, जो एक डिवाइडर से जा टकराई। सायरस मिस्त्री ने बेल्ट नहीं बांध रखी थी और वे कार की विंडो से बाहर फेंके गए। यह दुर्घटना एक उदाहरण है कि कैसे भारत में पढ़े-लिखे जानकार लोग भी लापरवाही करते हैं। यहां जागरूकता का सवाल नहीं है। आंकड़े भयावह हैं और हमारे सामने एक आपातकालीन तस्वीर रखते हैं। तेज गति में गाड़ी चलाने से 75.2 प्रतिशत, गलत दिशा में गाड़ी चलाने से 5.8 प्रतिशत, और शराब या नशे के प्रभाव में ड्राइविंग करने से 2.5 प्रतिशत मौतें होती हैं। हादसों में 86 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिलाओं की मौत रिकॉर्ड की गई है। 67.2 प्रतिशत मौतें ग्रामीण इलाकों में और 32.2 प्रतिशत शहरी इलाकों में होती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे) हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। 2022 में हर सौ किलोमीटर पर 45 मौतें दर्ज की गईं। निमहांस/रासी के अनुसार 24 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हुए हादसों में जान जाती है, जिनमें से 50 प्रतिशत घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। अधिकतर मामलों में सिर या शरीर के निचले हिस्से में चोट लगती है।

82 प्रतिशत घातक सड़क यातायात दुर्घटनाएं बच्चों के साथ हुईं। स्पीड थ्रिल्स बट किल्स की थ्योरी के अनुरूप भारत में बाइक दुर्घटनाओं की तादाद हर दिन बढ़ती जा रही है। उत्साही नौजवान न केवल लापरवाही से दोपहिये चलाते हैं, बल्कि हेलमेट भी नहीं पहनते हैं। इसका नतीजा है कि हर साल ऐसे 10000 चालकों की मौत हो जाती है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 14 वर्ष तक के 25 प्रतिशत और 14 से 17 वर्ष के 75 प्रतिशत किशोर सड़क हादसों के शिकार हुए। दस राज्यों में 40 प्रतिशत बच्चों और किशोरों की सड़क हादसों में मौत हुई। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें पैदल चलने वालों और दोपहिया सवारों की होती हैं। इनमें 40.7 प्रतिशत दोपहिया चालक, 16.9 प्रतिशत पैदल यात्री भारी वाहनों की चपेट में आए। वहीं 14.1 प्रतिशत कार सवार, 8.8 प्रतिशत ट्रक/लॉरी और 4.5 प्रतिशत तिपहिया (ऑटो रिक्शा) सवार हादसे का शिकार हुए। हमारे आज के बच्चे कल के नागरिक हैं और वे अभी से ही जागरूक तथा नियमों के पालन के लिए कृतसंकल्प हों, यह देश के लिए जरूरी है। उन पर भरोसा करके उन्हें ही सड़कों के नियम-कानून बताए और समझाए जाने चाहिए। स्कूलों में दिलचस्प तरीके से इस विषय को पेश किया जाए। स्कूलों में सेफ्टी पार्क वगैरह बनाए जाएं जहां जाकर बच्चे उन्हें देखें और ट्रैफिक के सरल नियम समझें। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ दुर्घटनाओं को कम करने की दिशा में प्रयास कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारत में इतनी ज्यादा मौतों पर सभी को जगना होगा, कानूनों का सख्ती से पालन करना होगा, सड़कों को सुरक्षित बनाना होगा और सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। देश में हर दिन 34 किलोमीटर हाईवे बन रहे हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं से बचने के बारे में वहां पर कोई ठोस समाधान नहीं है।

डिजाइन संबंधी बदलाव तो हुए हैं और कुछ काम भी हुए हैं, लेकिन अभी काफी कुछ करना होगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2021 से 2030 के बीच सड़क हादसों से होने वाली मौतों को 50 फीसदी तक कम करने का लक्ष्य तय किया है। भारत सरकार भी इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए नीति तो बनाई गई है, लेकिन उसे कार्यान्वित करने की दिशा में गंभीर प्रयासों की जरूरत है। जागरूकता, जिम्मेदारी का एहसास, जल्दबाजी और नियमों की अनदेखी, इन सभी पर काम होना चाहिए। नागरिकों को खुद जगना होगा और दूसरों को जगाना होगा। हाल ही में यूनिसेफ ने रोड सेफ्टी पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य था सड़क सुरक्षा को बच्चों के अधिकार, जन स्वास्थ्य और विकास के मुद्दे के रूप में दोबारा स्थापित करना, और साथ ही यह समझना कि मीडिया कैसे व्यवहार में बदलाव, कानूनों के बेहतर पालन और सिस्टम के सुधार में अपनी भूमिका और मजबूत कर सकता है। यहां पर मीडिया की भूमिका बहुत ज्यादा हो जाती है क्योंकि वह बड़े पैमाने पर लोगों को नियमों के पालन और लापरवाही से बचने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। दुर्घटनाओं से जुड़ी सनसनीखेज खबरों से काम नहीं चलेगा। उसका सामाजिक दायित्व भी है जिसे उसे निभाना चाहिए।

-मधुरेंद्र सिन्हा
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, एकादशी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन दायक समय। कुटुंब में वृद्धि होगी। अनेकों तरह की परेशानियां सॉल्व होंगी इन दिनों। स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक अलग तेज। एक अलग आकर्षण आ गया है आपमें। जो चाह रहे हैं वो हो रहा है और जैसा सोच रहे हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक लाभ होगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति बहुत उतरोतर वृद्धि करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितयां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रोगग्रस्त हो सकते हैं। छोटी-मोटी परेशानियां परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन में बुद्धि के कारण बहुत आगे बढ़ रहे हैं आप।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

'एक पेड़ माँ के नाम' के तहत हुआ पौधारोपण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर गामा-2 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष पवन नागर के नेतृत्व में कल समस्त कार्यकारिणी एवं सेक्टर निवासियों के साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की चलाई जा रही योजना 'एक पेड़ मां के नाम' के क्रम में पौधारोपण का कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दादरी विधायक तेजपाल नागर मौजूद रहे। कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह, महासचिव मनोज गर्ग, नरेंद्र नागर, अशोक कसाना, सुनील भाटी, सचिन, नरेंद्र रोजा, विजेंद्र लोहिया, टी.एन. पांडे, गजेंद्र विधूड़ी आदि लोग मौजूद रहे।

अग्रवाल समाज ने स्वर्ण नगरी भवन परिसर में लगाए 51 पौधे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्री महाराजा अग्रसेन वैश्य सेवा समिति, ग्रेटर नोएडा द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वर्ण नगरी सेक्टर स्थित भवन परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सौरभ बंसल की अगुवाई में कुल 51 पौधे रोपित किए गए।

सौरभ बंसल ने बताया कि मानसून का मौसम पौधारोपण के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है और समिति का उद्देश्य ग्रीन ग्रेटर नोएडा अभियान को बल देना है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य न सिर्फ परिसर को हरा-भरा बनाना है, बल्कि समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित समाज के अन्य सदस्यों को भी अपने-अपने घरों में लगाने के लिए पौधे भेंट किए गए। समिति ने इस माध्यम से जनसंदेश दिया कि हर व्यक्ति को इस मौसम में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर ओमप्रकाश अग्रवाल, राजेश गुप्ता, अरुण गुप्ता, अंकुर गर्ग, बृजमोहन गोयल, रविंद्र गर्ग, मुकुल गोयल, नवीन जिंदल, सर्वेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल, अमित गोयल, आशीष गुप्ता, अनिल सिंघल, अनिल तायल, नवनीत अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

भाकियू (भानू) संगठन का हुआ विस्तार

नोएडा (चेतना मंच)। अट्टा गांव में भारतीय किसान यूनियन (भानू) संगठन का कल विस्तार किया गया। पंचायत की अध्यक्षता के.एल. अवाना ने की और संचालन सुभाष भाटी ने किया।

इस मौके पर एनसीआर अध्यक्ष सुनील अवाना को बनाया गया। अवाना ने कहा कि जो जिम्मेदारी मुझे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दी है, उसे बिल्कुल ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा।

मीडिया प्रवक्ता सुभाष भाटी शहदरा ने कहा कि नोएडा में संगठन को मजबूत किया जा रहा है, जिससे नोएडा अथॉरिटी पर एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। राकेश बिधूड़ी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया तथा सैकड़ों लोगों ने भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ली। राष्ट्रीय महासचिव बेगराज गुर्जर ने कहा कि संगठन में आस्था व्यक्त करते हुए आज सैकड़ों लोगों ने सदस्यता ली और सभी ने एक साथ रहकर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ संघर्ष करने की बात कही है। अजब सिंह कसाना ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन किसानों के लिए, गरीबों के लिए संघर्ष करता रहता है। इसी को देखते हुए आज बहुत लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है।

इस अवसर पर प्रेम सिंह भाटी, अनिल बेसोंया, राजकुमार नागर, बिल्लू अवाना, राजवीर मुखिया, विकास गुर्जर, आनंद दरोगा, सुभाष भाटी, सतवीर मुखिया, सतप्रकाश अवाना, संतराम अवाना, ऋषि अवाना, भानु प्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

किसान एकता महासंघ संगठन ने किसानों से किया जनसंपर्क

दनकौर (चेतना मंच)। किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक चौधरी बाली सिंह व राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. रमेश कसाना के नेतृत्व में उस्मानपुर कोठी गाँव में किसानों से जनसंपर्क किया गया। बैठक की अध्यक्षता बुद्धा सिंह राजपूत ने की एवं संचालन राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राजेन्द्र चौहान ने किया। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष अरविन्द सेक्रेटरी ने बताया कि 2013 भूमि अधिग्रहण क़ानून, 10 प्रतिशत भूखंड लागू कराने एवं किसानों के 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त बढ़े हुए मुआवज़े, आबादी निस्तारण, स्थानीय कंपनियों में युवाओं को रोज़गार, शिक्षा, चिकित्सा सहित अन्य मांगों को लेकर 30 जुलाई को सलारपुर अंडरपास के नीचे होने वाली महापंचायत को सफल बनाने हेतु उस्मानपुर कोठी में किसानों से जनसंपर्क कर 30 जुलाई को महापंचायत में पहुंचने की अपील की गई।

इस मौके पर चौधरी बाली सिंह, रमेश कसाना, पप्पू प्रधान, राजवीर ठेकेदार, अतर सिंह प्रधान, अमित नागर, राजेन्द्र चौहान, जगदीश सिंह राजपूत, कपिल शर्मा, कुलदीप राजपूत, विकास कसाना, पंकज कसाना, प्रवेश कसाना, धर्मवीर राजपूत, प्रसादी, सतपाल कसाना, देवेंद्र कसाना, करण सिंह, बिरम सिंह, प्रताप खटाना, जितेंद्र सिंह, विजयपाल सिंह, विपिन राजपूत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने जनहित इंटर कॉलेज में लगाए सीलिंग फैन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाज सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा ने जनहित इंटर कॉलेज, फलेदा (जेवर) में पंखों की स्थापना कर विद्यार्थियों के लिए राहतकारी पहल की है। क्लब के सचिव कपिल गर्ग ने जानकारी दी कि स्कूल में कुल 16 सीलिंग फैन की आवश्यकता थी, जिसे क्लब के सदस्यों के सहयोग से पूरा किया गया।

कपिल गर्ग ने कहा, समाज सेवा में जनभागीदारी ही रोटरी क्लब की सच्ची पहचान है। हमारा उद्देश्य शिक्षा संस्थानों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर छात्रों के अध्ययन वातावरण को बेहतर बनाना है।

इस अवसर पर शुभम सिंघल, कपिल गर्ग, मनु जिंदल, मोहित बंसल, अरुण अग्रवाल, मयंक गर्ग, चेतन शर्मा, नितिन तायल, मोहित भाटी, नवीन शर्मा, तरुण चिकारा, सुचित गर्ग, दीपांशु गर्ग, विशाल तायल आदि लोग शामिल रहे।

जिला कांग्रेस कमेटी ने मंगल पांडे की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कल ग्राम सादुल्लापुर में प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर सेनानी मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने मिलकर इस अवसर पर 1857 की क्रांति के अग्रदूत को कृतज्ञता से नमन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय नागर ने की, वहीं संचालन एवं समन्वयन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर वक्ताओं ने मंगल पांडे के बलिदान को स्वतंत्रता संग्राम की नींव बताते हुए उनकी प्रेरणा से चले राष्ट्रव्यापी आंदोलन को याद किया।

जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष निशा शर्मा ने कहा, हमने बचपन से मंगल पांडे के साहस की गाथा किताबों में पढ़ी और बुजुर्गों से सुनी है। वे भारत की आजादी की नींव रखने वाले पहले क्रांतिकारी थे, जिनकी विरासत को हमें जीवित रखना है। विजय नागर ने अपने संबोधन में कहा, मंगल पांडे हर स्वतंत्रता सेनानी के आदर्श रहे। उनकी प्रेरणा से लाखों देशभक्तों ने अपनी जान की परवाह किए बिना आजादी की लड़ाई लड़ी। हमें उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए।

जिला संगठन प्रभारी उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा, आज सिर्फ श्रद्धांजलि देने नहीं, बल्कि यह संदेश देने आए हैं कि आज भी समाज में जो दमनकारी और तानाशाही प्रवृत्तियां हैं, उनके खिलाफ लड़ना होगा। यही मंगल पांडे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर सैकड़ों कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रमुख रूप से उपस्थित लोगों में सुबोध भट्ट, रन सिंह प्रधान, भूमेश नागर, सरजीत मैनेजर, चौधरी रूमाल, राजे नागर, ईश्वर चंद, हंसराज एडवोकेट, राजे मुखिया, रामबीर वकील, महिपाल, भोला प्रधान, पप्पू प्रधान, रतन हवलदार, सुमित, रामपाल सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता व ग्रामवासी शामिल रहे।

प्राधिकरण की जमीन पर अवैध प्लाटिंग, मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र की भूमि पर प्लाटिंग करने तथा अवैध निर्माण किए जाने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता ने थाना सेक्टर 113 में यह मुकदमा दर्ज कराया है।

नोएडा के वर्क सर्किल-6 के अवर अभियंता निखिल मित्तल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम सोहरखा जहीदाबाद गांव में नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र की भूमि खसरा संख्या 819 पर सुभाष, सत्यपाल पुत्र हरवल, योगेंद्र यादव व यशवीर यादव पुत्र रमेश चंद्र निवासी सोहरखा जाहिदाबाद व अन्य के द्वारा प्लाटिंग के रूप में क्रय विक्रय कर नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र की भूमि को खुर्द किया जा रहा है। इसके अलावा उक्त भूमि पर प्राधिकरण की अनुमति के बिना वैध एवं अनधिकृत निर्माण किया जा रहा है उन्होंने बताया कि उक्त अवैध निर्माण को रुकवाने के लिए भूलेख विभाग में वर्क सर्कल स्तर पर कई बार प्रयास किए गए लेकिन अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध व अनधिकृत निर्माण कार्य को नहीं रोका गया। इस तरह के अवैध निर्माण से नोएडा के समुचित नियोजन अभी स्थापना सुविधाओं के विकास एवं जन सामान्य के हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने बताया कि अतिक्रमणकर्ता द्वारा उक्त भूमि पर कराए जा रहे अनधिकृत निर्माण के निकट ही नोएडा प्राधिकरण द्वारा एक नोटिस बोर्ड लगाया गया है जिसमें अनधिकृत निर्माण न करने के लिए स्पष्ट जन सूचना चेतावनी अंकित है। इसके बावजूद भी अतिक्रमणकर्ताओं द्वारा निरंतर अतिक्रमण किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि अवर अभियंता की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

गेझा गांव से किशोर लापता

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा थाना फेस-2 क्षेत्र के गेझा गांव से एक 16 वर्षीय किशोर परिजनों को बिना बताए चला गया। काफी तलाशने पर भी किशोर का जब कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गेझा गांव में किराए पर रहने वाली पश्चिम बंगाल निवासी रुबीना ने अपने बेटे के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है । दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि उनका 16 वर्षीय बेटा 11 जून की शाम को घर से बिना बताए निकल गया देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। उसने आसपास व रिश्तेदारियों में भी अपने बेटे के बारे में जानकारी जुटाई। लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली पुलिस का कहना है कि लापता किशोर की तलाश की जा रही है।

सोसायटी में लगे जनरेटर में तोड़फोड़

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 113 क्षेत्र की हाइड पार्क सोसाइटी में लगे जनरेटर के इंजन कंट्रोल माड्यूल कार्ड और डिस्प्ले पैनल को किसी ने क्षतिग्रस्त कर दिया। सोसाइटी एओए के सचिव ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। एओए सचिव अमित गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि हाइड पार्क सोसाइटी में विद्युत आपूर्ति के लिए 6 जनरेटर लगाए गए हैं। किसी अज्ञात व्यक्ति ने एक जनरेटर के इंजन कंट्रोल माड्यूल कार्ड और डिस्प्ले पैनल को क्षतिग्रस्त कर दिया। अज्ञात व्यक्ति की इस करतूत से जनरेटर में लगभग चार लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस का कहना है कि सचिव की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

जीजा की लगा दी धुनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के गुरुद्वारा रोड लोहिया कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति के साथ उसके सालों ने मारपीट की। मारपीट में युवक घायल हो गया और उसने अपने दो सालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। गुरुद्वारा रोड लोहिया भवन में रहने वाले चेतन स्वरूप ने बताया कि 13 मार्च को उसके साले गौरव व रिंकू ने उसे अकेला देखकर रोक लिया और गाली गलौज शुरू कर दी ।उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट में उसका सर फट गया और अन्य जगह भी चोट आई। मारपीट के बाद आरोपी उसे धमकी देकर चले गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सावन माह में कांवड़ यात्रा की चारो ओर धूम है इसी क्रम में भाकियू नेता भूपेन्द्र शर्मा ने भी हरिद्वार से कांवड़ उठाई

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पृष्ठ एक के शेष....

ऑटो में सवारी बैठाकर..

विकास पुत्र अहलकार व पंकज प्रजापति पुत्र आशाराम निवासी ग्राम आसफपुर जनपद बदायूं के रूप में हुई। इनके पास से दो तमंचे, कार्टून, लैपटॉप, मोबाइल फोन व सवारी से लूटे गए 1350 रुपए बरामद हुए। मुठभेड़ में घायल हुए दोनों बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया और पुलिस ने कांबिंग के दौरान उनके तीसरे साथी कार्तिक को भी गिरफ्तार कर लिया।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश सवारियों को ऑटो में बैठकर लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बीते 14 जुलाई को लॉजिस्टक नोवा में काम करने वाले इंजीनियर सत्यम को ऑटो में बिठाया था इसके बाद सेक्टर-132 के सुनसान क्षेत्र में बदमाशों ने हथियारों के बल पर उससे मोबाइल फोन व लैपटॉप लूट लिया था। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी उसे सुनसान जगह पर उतारकर फरार हो गए थे। इस संबंध में पीड़ित ने अज्ञात ऑटो सवार बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अलावा बदमाशों ने थाना क्षेत्र में दो अन्य घटनाओं में कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप चोरी करना भी स्वीकार किया है। बदमाशों ने बताया कि लूटपाट के दौरान उनका साथी आरिफ पुत्र गुड्डू भी था। आरिफ की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

कार की टक्कर...

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार सवार युवकों ने जानबूझकर उनके बेटे को गाड़ी से टक्कर मारी है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और कर नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

महिला उत्पीडन के...

नसीम, पूर्व अध्यक्ष महानगर नोएडा शाहबुद्दीन, श्याम दीक्षित, गाजियाबाद महिला जिला अध्यक्ष सोनल नागर, संगठन सृजन इंचार्ज उत्तर प्रदेश महिला कांग्रेस डा रत्ना पांडे, ममता शर्मा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस बिहार प्रभारी रीता पांडा, जिला उपाध्यक्ष महिला कांग्रेस कशिश, गौतमबुद्धनगर महिला जिलाध्यक्ष राधा रानी,महेदी,सलमा,गुलबसा, किशोरी, आनंदी, विनोदा, ज्योति पाल ,युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष जावेद खान,नसीम, महानगर कांग्रेस नोएडा पूर्व अध्यक्ष शाहबुद्दीन, श्याम दीक्षित , अन्नू, सिद्र अंसारी , रौशनी खटीक व दर्जनों महिलाएं मौजूद थीं।

तिरपाल के पीछे से...

सर्किल 4 में 6, सर्किल 6 में 17 तथा सर्कल 7 में 27 ठेकों को ढकने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि कावड़ यात्रा के मद्देनजर प्रत्येक वर्ष कांवड़ मार्ग में पड़ने वाले ठेकों को तिरपाल से कवर किया जाता है।

रोटरी क्लब ने जनहित इंटर कॉलेज में लगाए सीलिंग फैन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाज सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा ने जनहित इंटर कॉलेज, फलेदा (जेवर) में पंखों की स्थापना कर विद्यार्थियों के लिए राहतकारी पहल की है। रोटरी क्लब के सचिव कपिल गर्ग ने जानकारी दी कि स्कूल में कुल 16 सीलिंग फैन की आवश्यकता थी, जिसे रोटरी क्लब के सदस्यों के सहयोग से पूरा किया गया।

कपिल गर्ग ने कहा, समाज सेवा में जनभागीदारी ही रोटरी क्लब की सच्ची पहचान है। हमारा उद्देश्य शिक्षा संस्थानों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान कर छात्रों के अध्ययन वातावरण को बेहतर बनाना है।

इस अवसर पर शुभम सिंघल, कपिल गर्ग, मनु जिंदल, मोहित बंसल, अरुण अग्रवाल, मयंक गर्ग, चेतन शर्मा, नितिन तायल, मोहित भाटी, नवीन शर्मा, तरुण चिकारा, सुचित गर्ग, दीपांशु गर्ग, विशाल तायल आदि लोग शामिल रहे।

खास खबर

भूकंप तेज झटकों से थराया रूस

मॉस्को। रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में रविवार को तेज भूकंप के झटकों ने दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई है। इसके बाद प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कामचातका प्रायद्वीप के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। इस भूकंप का केंद्र पेत्रोपावलोव्स्क-कामचात्स्की शहर से 144 किलोमीटर पूर्व में समुद्र में 20 किलोमीटर की गहराई में रहा। इस शहर की आबादी लगभग 1.8 लाख है और भूकंप के झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आए। इससे पहले उसी क्षेत्र में 6.7 तीव्रता का एक और भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप के झटके लगातार महसूस किए गए, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र (जीएफजेड) ने भी पुष्टि की है कि कामचातका तट के पास समुद्र में 6.6 और 6.7 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप आए। दोनों की गहराई 10 किलोमीटर मापी गई है। भूवैज्ञानिकों के अनुसार, भूकंप के तुरंत बाद तीव्रता में मामूली बदलाव संभव होता है। फिलहाल किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन भूकंप की तीव्रता और सुनामी की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन सतर्क हो गया है।

जर्मनी ने 81 अफगान नागरिकों को किया निर्वासित

काबुल। जर्मनी ने हाल ही में एक विशेष विमान के जरिए 81 अफगान नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया। ये सभी लोग शरण की तलाश में जर्मनी पहुंचे थे, लेकिन उनकी याचिकाएं अस्वीकार कर दी गईं। इनमें से कई पर गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल होने और पहचान छुपाने के आरोप लगे थे। इस कार्रवाई के बाद जर्मनी उन देशों की सूची में शामिल हो गया है जो अफगान नागरिकों को वापस भेज रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में कतर ने अहम भूमिका निभाई। कतर ने जर्मन अधिकारियों और अफगान तालिबान सरकार के बीच कूटनीतिक बातचीत कराई, जिसके बाद निर्वासन की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया। सूत्रों के अनुसार, जिन लोगों को वापस भेजा गया, उनमें से कुछ अफगानिस्तान में वांछित भी थे। जांच में यह सामने आया कि इन लोगों ने शरण याचिका के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां छिपाई थीं।

कार ने भीड़ को कुचला, 30 घायल

लॉस एंजेलिस । ईस्ट हॉलीवुड के वर्मोंट हॉलीवुड नाइटक्लब के बाहर शनिवार तड़के एक कार ने भीड़ में घुसकर कम से कम 30 लोगों को घायल कर दिया। घायलों में से सात की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, चालक ने जानबूझकर भीड़ में घुसने की कोशिश की। घटना के बाद चालक को भीड़ ने घेर लिया और उसकी पिटाई की। कुछ समय बाद एक व्यक्ति ने चालक को गोली मार दी। चालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उसकी पहचान और स्थिति अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। घटना के बाद पुलिस और दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। लॉस एंजेलिस फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, 124 कर्मियों ने 23 घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जिनमें से सात की हालत गंभीर थी।

अरुणाचल में भूस्खलन और बाढ़ से तबाही

15 लोगों की मौत, हजारों प्रभावित

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश में जून से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 15 लोगों की जान जा चुकी है। निचले सियांग जिले में सड़क संपर्क पूरी तरह से कट गया है। सिजी, याते और गरु गांव के पास कई जगहों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। पश्चिम सियांग, लेपराडा, शी-योमी और अपर सुबनसिरी जैसे जिलों की जीवनरेखा माने जाने वाली आलो-लिकाबाली सड़क अब भी बाधित है। चीन सीमा से सटे अंजॉ जिले

का सड़क संपर्क पहले करीब 20 दिनों तक पूरी तरह से ठप था, जिसे हाल ही में प्रशासन ने बहाल किया। कोई प्न्योर जिले में भारी पत्थर गिरने से एक दिन तक राजमार्ग पर यातायात रुका रहा। निचले सुबनसिरी जिला मुख्यालय जीरो पानी में डूब गया, जिससे धान की खेती और संपत्ति को नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने लोगों को चेताया है कि भूस्खलन के खतरे को देखते हुए रात में यात्रा करने से बचें। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार अब तक कम से कम 15 लोगों की जानें जा चुकी हैं और 26 जिलों में 36 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। ईस्ट कामेंग और अपर सुबनसिरी सबसे अधिक प्रभावित जिलों में शामिल हैं। राज्य सरकार ने हाई अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए सरकारी प्रावधानों के अनुसार चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को अलर्ट पर रहने और राहत कार्यों को युद्धस्तर पर जारी रखने का निर्देश दिया। राजधानी इटानगर में नगर निगम (आईएमसी) के मेयर तम्मे फास्सांग ने नदियों और संवेदनशील क्षेत्रों के पास रहने वाले नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि इटानगर, नाहरलगुन, निरजुली और बंदरदेवा सहित सभी 20 वार्डों के पार्षदों के सहयोग से निगम ने मानसून से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।

किराये के मकान में रह रहे परिवार के 5 लोगों की खाया जहर, मौत

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक ही परिवार के पांच लोगों ने कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मरने वालों में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। जानकारी अनुसार घटना अहमदाबाद ग्रामीण क्षेत्र के बावला कस्बे की है। पुलिस के अनुसार, यह परिवार एक किराये के मकान में रहता था और मूल रूप से ढोलका का निवासी था। मृतकों की पहचान विपुल कांजी वाघेला (34), सोनल वाघेला (26), बड़ी बेटी (11 वर्ष), छोटी बेटी (5 वर्ष), बेटा (8 वर्ष) के तौर पर हुई है। पुलिस का कहना है कि

परिवार ने जहरीला तरल पदार्थ पीकर जान दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों और फॉरेंसिक टीम ने घर की तलाशी ली और साक्ष्य एकत्रित किए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल आत्महत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। न ही कोई सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है और परिवार के सामाजिक व आर्थिक पहलुओं की जांच कर रही है।

पाकिस्तान में बारिश से तबाही, 202 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में मानसूनी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) के अनुसार अब तक देशभर में 202 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 96 बच्चे शामिल हैं। सबसे ज्यादा नुकसान पंजाब प्रांत में हुआ है, जहां 123 लोगों की जान गई है। इसके अलावा खैबर पख्तूनख्वा में 40, सिंध में 21, बलूचिस्तान में 16, जबकि इस्लामाबाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में एक-एक व्यक्ति की जान गई है। एनडीएमए की रिपोर्ट के मुताबिक अधिकांश मौतें इमारतों के ढहने, अचानक आई बाढ़, बिजली गिरने, करंट लगने और भूस्खलन जैसी घटनाओं से हुई हैं। अकेले 118 लोगों की मौतें जर्जर

इमारतों के गिरने से हुई हैं, जबकि 30 लोग बाढ़ की चपेट में आकर मारे गए। बाकी की जानें अन्य प्राकृतिक आपदाओं के चलते गई हैं। नेशनल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (एनईओसी) ने 25 जुलाई तक के लिए देशभर में चेतावनी जारी की है। इस दौरान शहरी जलभराव, अचानक बाढ़ और हिमनद झीलों के फटने का खतरा बताया गया है। पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और इस्लामाबाद के कई जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मौसम विभाग ने 21 से 24 जुलाई के बीच मध्य और उत्तरी क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विशेष रूप से रावलपिंडी, लाहौर, सियालकोट, मुल्तान, फैसलाबाद, बहावलपुर, मुजफ्फरगढ़ और राजनपुर जैसे जिलों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। इन क्षेत्रों में सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। कई इलाकों में नालियों के जाम होने से जलभराव की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है और बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य तेज करने, नालियों की सफाई और आपातकालीन टीमें सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि प्रशासन की तैयारियों की कमी को लेकर जनता और मीडिया में नाराजगी देखने को मिल रही है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे भारी बारिश के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और जलभराव या भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में न जाएं।

ईरान में भीषण बस हादसा, 21 की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिणी हिस्से में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 34 अन्य घायल हो गए। यह हादसा फार्स प्रांत की राजधानी शिराज के दक्षिणी इलाके में हुआ। सरकारी मीडिया के अनुसार, यह दुर्घटना उस समय हुई जब एक बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। फार्स प्रांत के आपातकालीन संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि घटना पूर्वाह्न 11:05 बजे हुई और सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर रवाना हो गया। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी किया गया। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

विमान में उड़ान भरते ही लगी आग

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। लॉस एंजिल्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अटलांटा जा रहे डेल्टा एयरलाइंस के विमान में उड़ान भरने के तुरंत बाद ही इसके इंजन में आग लग गई जिसके बाद उसे वापस अपने एलएएक्स पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग करते ही एयरपोर्ट के अग्निशमन दल ने आग को तुरंत बुझा दिया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुर्घटनाग्रस्त यह विमान बोइंग 767-400 द्वारा संचालित किया जाता था जिसका पंजीकरण एन836एमएच है। जानकारी के मुताबिक यह विमान 24.6 साल पुराना है और इसमें दो जीई सीएफ6 इंजन लगे हैं। उड़ान भरते हुए विमान के इंजन में आग लगने का वीडियो में कैमरे में कैद हो गया। वहीं विमान की आपातकालीन लैंडिंग को रिकॉर्ड किया गया जिसमें विमान के बाएं इंजन से आग की लपटें निकलती दिख रही थीं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दें यह इस साल दूसरी बार है जब डेल्टा एयरलाइंस के किसी विमान में आग लगने की घटना हुई है। इससे पहले अप्रैल माह में ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डेल्टा के एक विमान में आग लग गई थी। उस समय भी आग की जानकारी समय रहते मिल गई थी जिससे एक बड़ा हादसा टल गया था। उस विमान में 282 यात्री, 10 फ्लाइट अटेंडेंट और दो पायलट सवार थे और उसमें भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं थी। यह घटनाएं विमानों के रखरखाव और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर रही है लेकिन पायलटों की सूझबूझ और त्वरित बचाव दल की कार्रवाई से बड़े हादसों को टाला जा सका।

जम्मू से अमरनाथ के लिए रवाना हुआ 4,388 श्रद्धालुओं का 20वां जत्था

एजेंसी

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए रविवार को 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। इस जत्थे में 900 महिलाएं और 130 साधु-साध्वियां भी शामिल हैं। श्रद्धालुओं का जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में रवाना हुआ। 2,815 श्रद्धालु 115 वाहनों में सवार होकर पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए। वहीं 1,573 श्रद्धालु 95 वाहनों में बालटाल मार्ग से यात्रा पर निकले। 38 दिवसीय यह वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी और यह नुनवान-पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) मार्गों से चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 2.90 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं और संभावना है कि रविवार को यह आंकड़ा तीन लाख को पार कर जाएगा। यह पवित्र यात्रा रक्षा बंधन के दिन यानी 9 अगस्त को समाप्त होगी। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने यात्रा की सुरक्षा और सुचारू संचालन के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। अमरनाथ यात्रा में देशभर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और पूरे श्रद्धा भाव से बाबा बर्फानी के दर्शन कर रहे हैं।

एएसआई अरुणाबेन की गला घोंटकर हत्या

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले के अंजार थाना क्षेत्र में तैनात महिला एएसआई अरुणाबेन नटूभाई जादव (25) की शनिवार रात गला घोंटकर हत्या कर दी गई। आरोपी कोई और नहीं, बल्कि उनका करीबी पुरुष मित्र दिलीप डांगचिया है, जो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में कार्यरत है। हत्या के बाद दिलीप ने खुद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। घटना शनिवार देर रात की है जब गंगोत्री सोसाइटी-2, अंजार स्थित अरुणाबेन के घर में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। बहस इतनी बढ़ गई कि दिलीप ने आपा खो दिया और गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी।

श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा केंद्र बना लोधेश्वर महादेव मंदिर

एजेंसी

बाराबंकी (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से करीब 60 किलोमीटर जनपद बाराबंकी की रामनगर तहसील के महादेवा गांव में लोधेश्वर महादेव का अति प्राचीन मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का एक बड़ा केंद्र बना हुआ है। सावन मास में यहां दूर दूर से भक्त लोधेश्वर महादेव के दर्शनों को आते हैं। सावन मास में कांवड़िए भी काफी संख्या में कावर लेकर लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने के लिए आते हैं। इस मंदिर का संबंध महाभारत काल से जुड़ा है। मान्यता के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने लोधेश्वर मंदिर में ही भगवान शिव

की आराधना की थी। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को 52 दुर्लभ शिवलिंगों में से एक माना जाता है। महर्षि वेदव्यास की सलाह पर माता कुंती ने यहां रुद्र यज्ञ किया था। एक अन्य कथा के अनुसार एक गरीब किसान पंडित लोधाराम अवस्थी को भगवान शिव ने स्वप्न में दर्शन दिए थे और उसके बाद जब लोधाराम ने अपने खेत में खुदाई की, तो उन्हें शिवलिंग प्राप्त हुआ। इसलिए इस मंदिर का नाम लोधेश्वर महादेव पड़ा। सावन के दूसरे सोमवार के एक दिन पहले रविवार को कानपुर की आयुध उपस्कर निर्माणी से किला मजदूर यूनियन के महामंत्री समीर बाजपेई साथियों के साथ लोधेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भारी भीड़ के बीच महादेव का जलाभिषेक कर उनकी पूजा- अर्चना की। उन्होंने लोधेश्वर महादेव से सभी की सुख- समृद्धि की कामना के साथ उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महामंत्री समीर बाजपेई ने कहा कि लोधेश्वर महादेव में भक्तों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश सरकार को इसे कोरिडोर के रूप में स्थापित करना चाहिए। इस दौरान महामंत्री समीर बाजपेई के साथ अनुराग अग्निहोत्री, एल.के.शुक्ला रहे।

जेलेंस्की ने रूस की तरफ बढ़ाया सीजफायर के लिए हाथ

कहा- लंबे समय की शांति स्थापित करने के लिए आधिकारिक बैठक जरूरी

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के कई हिस्सों पर रूस के हमलों के बाद अब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की बदले नजर आ रहे है। जेलेंस्की ने रूस से सीजफायर के लिए हाथ बढ़ाया है। जेलेंस्की का कहना है कि वह अगले हफ्ते युद्धविराम पर बातचीत कर सकते हैं। दरअसल यूक्रेन के विदेश मंत्री ने जेलेंस्की को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैं। जेलेंस्की का कहना है कि उनकी सरकार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों पर भी तेजी से काम कर रही है। बता दें शनिवार को देश को

संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि रूस फैसला लेने से कतरा रहा है। सीजफायर करवाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। लंबे समय की शांति स्थापित करने के लिए एक आधिकारिक बैठक जरूरी है। हाल ही में यूक्रेन ने पूर्व रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा परिषद का दारोमदार सौंपा है। उन्हीं की अगवाई में रूस और यूक्रेन के बीच सीजफायर की बात शुरू हुई है। हालांकि, दोनों देशों के बीच पहले दौर की बातचीत विफल रही थी। सीजफायर की शर्तों में रूस ने यूक्रेन के सामने कई बड़ी मांगें रखी हैं, जिसमें रूस के द्वारा कब्जा किए गए यूक्रेन के 4 क्षेत्रों को भी सौंपने की बात कही थी। यूक्रेन ने रूस की सभी मांगों को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को सीजफायर के लिए 50 दिन का समय दिया है। ट्रंप का कहना है कि अगर 50 दिन के अंदर रूस सीजफायर नहीं करता है तो उसे 100 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। साथ ही रूस से व्यापार करने वाले देशों पर भी 500 फीसदी का टैरिफ लगा दिया जाएगा।

जेल में बंदियों के बीच झड़प से एक की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश की बिजनौर जिला जेल में हुई दो बंदियों के बीच झड़प में एक बंदी की मौत हो गई। हत्या का आरोप गैंगस्टर और लूट के मामलों में बंद एक कैदी पर है। घटना के बाद जेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई, और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। जानकारी अनुसार उक्त घटना शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे की बताई जा रही है, जबकि बंदी दोपहर का भोजन कर रहे थे। इसी दौरान उत्तराखंड के काशीपुर निवासी आशु चौहान (25) और अमरोहा के डिडौली निवासी जाकिब (24) के बीच बिस्तर को लेकर कहासुनी हो गई।

गाजा का बेत हनून बना राख का ढेर

एजेंसी

गाजा। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) के रविवार को किए गए ताजा हवाई हमलों में गाजा पट्टी का ऐतिहासिक शहर बेत हनून पूरी तरह से मिट्टी में मिल गया है। बताया जा रहा है कि इस हमले में 700 साल पुराने ऐतिहासिक ढांचे भी जमींदोज हो गए हैं। अब इस शहर में कोई भी इमारत शेष नहीं बची है, जिससे इसे अब राख का ढेर बताया जा रहा है। गाजा के उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित बेत हनून सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से फिलिस्तीन का एक अहम नगर रहा है। लेकिन आईडीएफ द्वारा की गई ताबड़तोड़ बमबारी और जमीनी कार्रवाई के बाद अब यह पूरा इलाका एक खंडहर में तब्दील हो चुका है। पहले इस शहर में हजारों की संख्या में

लोग रहते थे, मगर अब यहां जीवन का कोई चिन्ह तक नहीं दिखाई देता। ऑस्ट्रेलियन यहूदी संघ (एजेए) के पूर्व प्रमुख द्वारा सोशल मीडिया पर दिया गया बयान बेत हनून अब शहर ही नहीं रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीव्र आलोचना का विषय बना हुआ है। कई मानवाधिकार संगठनों और विशेषज्ञों ने इस टिप्पणी को असंवेदनशील और अमानवीय बताया है। इस भयावह त्रासदी के बाद संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक एजेंसियों ने इस पूरे घटनाक्रम की स्वतंत्र जांच की मांग की है। साथ ही, सभी पक्षों से युद्धविराम और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई है। बेत हनून की बर्बादी ने गाजा संघर्ष में हो रहे मानवीय संकट और सांस्कृतिक विरासत के नुकसान को एक बार फिर वैश्विक बहस के केंद्र में ला दिया है।

आयरलैंड में खुदाई में निकला 65 साल पुराना रहस्य

एजेंसी

आयरलैंड। आयरलैंड का टुआम आजकल सुर्खियों में है। यहां खजाना नहीं बल्कि धरती के नीचे नर्क मिला है, जिसकी गवाही 800 बच्चों की मौत दे रही है। भले ही वे इस दुनिया में अब नहीं हैं लेकिन उनकी कब्रें चीख-चीखकर कह रही हैं कि उन्हें एक सम्मानजनक मौत नहीं मिली। इस दर्दनाक सच्चाई का पता करीब 10 साल पहले ही चल गया था लेकिन कब्रों की खुदाई अब शुरू हुई है। पश्चिमी आयरलैंड के टुआम में 14 जुलाई 2025 से 800 शिशुओं और छोटे बच्चों की सामूहिक कब्रों की खुदाई की जा रही है। ये अवशेष कम से कम 65 साल से दफन थे और एक दशक पहले स्थानीय इतिहासकार ने इन कब्रों का पता लगाया था उन्होंने इस जगह और यहां मासूम बच्चों की जिंदगी के साथ हुए खिलवाड़ को उजागर किया। चूंकि ये मामला चर्च से जुड़ा था, ऐसे में खुदाई होने में 10 साल लग गए। यह खुदाई सेंट मैरी मॉदर एंड बेबी होम के स्थान पर हो रही है, जो 1925-1961 तक कैथोलिक बॉन सेकर्स सिस्टर्स द्वारा संचालित किया जाता था। 2012 में कैथरीन कॉर्लेस ने स्थानीय इतिहास पर काम करते हुए सेंट मैरी में मरने वाले 796 बच्चों के दस्तावेज खोजे, लेकिन उनके दफन होने के रिकॉर्ड नहीं मिले। साल 1970 में दो लड़कों ने सीवेज टैंक में हड्डियां देखी थीं। ये बच्चे सामूहिक कब्रों में दफनाए गए।

उनकी इस रिपोर्ट के बाद साल 2015 में आयरलैंड सरकार ने 18 ऐसे होम की जांच शुरू की और 2016 में टुआम में उन्हें महत्वपूर्ण मानव अवशेष मिल सके। इन बच्चों की मृत्यु प्रमाण-पत्र बताते हैं कि इनकी मौत टीबी, मिर्गी, खसरा, मेनिन्जाइटिस जैसी बीमारियों से हुई लेकिन कई मामलों में कोई कारण ही नहीं बताए गए। पहली मौत 1925 में 5 महीने के बच्चे की थी, जो गैस्ट्रोएंटेराइटिस से उसकी मौत हुई और आखिरी मृत्यु 1960 में 5 महीने की बच्ची की थी। इनकी मौतों की वजह खराब स्वच्छता, गर्मी और भोजन की कमी थी। 2014 में टुआम के तत्कालीन आर्कबिशप ने दुख जताया, लेकिन कहा कि डायोसीज का होम से कोई संबंध नहीं था। साल 2021 में बॉन सिस्टर्स और आर्कबिशप ने माफी मांगी और बच्चों के अपमानजनक अंतिम संस्कार के लिए खेद जताया। आखिरकार साल 2021 में सरकार ने 3000 पेज की जांच रिपोर्ट जारी की और 2022 में अवशेषों की खुदाई के लिए कानून पारित किया। जानकारी के मुताबिक खुदाई की जा रही है, जो दो साल तक चलेगी। इसमें यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, कोलंबिया, स्पेन और अमेरिका के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। बच्चों के अवशेषों को निकाला जाएगा फिर उसका विश्लेषण किया जाएगा, पहचान की कोशिश होगी और सम्मानजनक तरीके से आखिरी विदाई दी जाएगी। निकले वाले अवशेष आपस में मिले हुए हैं, ऐसे में उनकी पहचान करना मुश्किल है। बता दें 20वीं सदी में आयरलैंड में मॉदर एंड बेबी होम अविवाहित गर्भवती महिलाओं के लिए बनाए गए थे, जिन्हें सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता था। ये मुख्य रूप से कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित थे। सेंट मैरी में 1925-1961 तक हजारों माताओं और बच्चों को रखा गया, जिन्हें उपेक्षा और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। कई बार तो बिना माताओं को बताए ही उनके बच्चों को गोद दे दिया जाता था।

2 अगस्त 2027 को दुनिया के कई देशों में छा जाएगा अंधेरा

एजेंसी

वॉशिंगटन। पूर्ण सूर्य ग्रहण 2027 में लगेगा, जिसे सदियों में एक बार लगने वाला ग्रहण कहा जा रहा है। यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और अरब के कुछ हिस्सों में 2 अगस्त, 2027 को ये दुर्लभ पूर्ण सूर्यग्रहण दिखाई देगा। इस ग्रहण की खास बात इसका समय होगा। यह सूर्य ग्रहण 6 मिनट 23 सेकंड तक रहेगा। इससे यह करीब 100 साल का सबसे लंबा चलने वाला सूर्य ग्रहण होगा। जानकारी के मुताबिक 2 अगस्त, 2027 का सूर्य ग्रहण खास होगा। दुनिया के बड़े हिस्से के लिए इस दौरान सूर्य आंखों से पूरी तरह ओझल हो जाएगा। दुनिया करीब छह मिनट के लिए अंधेरे में डूब जाएगी। यह सैकड़ों सालों के इतिहास का सबसे लंबा सूर्य ग्रहण होगा। अभी तक इतिहास का सबसे लंबा पूर्ण सूर्य ग्रहण 743 ईसा पूर्व हुआ था, जब 7 मिनट 28 सेकंड के लिए अंधेरा छा गया था। 2 अगस्त, 2027 में होने वाला सूर्य ग्रहण का पूर्ण पथ 275 किलोमीटर चौड़ा है। ऐसे में यह कई महाद्वीपों को कवर करेगा। अफ्रीका के ज्यादातर देशों से इसे देखा जा सकेगा। यह सूर्य ग्रहण अटलांटिक महासागर से शुरू होकर जिब्राल्टर जलडमरूमध्य, दक्षिणी स्पेन, उत्तरी अफ्रीका से अरब प्रायद्वीप तक जाएगा। हालांकि हिंद महासागर के ऊपर यह धुंधला नजर आएगा।

खास खबर

बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे नीरज

लंदन । भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की नजरें अब लंदन डायमंड लीग में अच्छा प्रदर्शन करने की रहेंगी। पिछले कुछ समय में नीरज का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। और उन्होंने 90 मीटर से अधिक भाला फेंका है। इस लीग में ओलंपिक पदक विजेता नीरज जूलियन बेवर के साथ 15 अंक लेकर पदक तालिका में शीर्ष पर हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीरज लंदन में 90 मीटर की दूरी एक बार फिर पार कर नया रिकार्ड बनायेंगे। लंदन डायमंड लीग 2025 सत्र काफी अहम माना जाता है। इससे पहले पेरिस डायमंड लीग में नीरज का प्रदर्शन बेहतरीन रहा था। नीरज का यह इवेंट लंदन स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। नीरज का ये इवेंट प्रशंसक ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के जरिये भी देख सकेंगे है। इसमें नीरज चोपड़ा को जर्मनी के वेबर के अलावा ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स, और केन्या के जूलियस येगो से भी टक्कर मिलेगी। प्रतियोगिता का आयोजन लंदन स्टेडियम में होने जा रहा है।

करुण अब कर्नाटक से खेलते नजर आयेंगे

लंदन । इंग्लैंड दौर से आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले बल्लेबाज करुण नायर को अब कर्नाटक क्रिकेट टीम ने बुलाया है। इसी टीम से करुण ने अपने करियर की शुरूआत की थी पर जब वह खराब दौर से गुजर रहे थे तो कर्नाटक ने उन्हें बाहर कर दिया था। उसे बाद से ही ये बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलने लगा। विदर्भ के लिए ही अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया गया। वहीं अब कहा जा रहा है कि करुण एक बार फिर विदर्भ छोड़कर कर्नाटक की टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने इसके लिए एनओसी भी हासिल कर ली है। ऐसे में करुण करीब तीन साल बाद कर्नाटक के लिए खेलते हुए दिखेंगे। वह साल 2022-23 में कर्नाटक छोड़कर विदर्भ चले गए थे। उन्होंने ये भी कहा था कि कर्नाटक से विदर्भ जाना आसान नहीं रहा। करुण को उम्मीद थी कि उन्हें बोर्ड से समर्थन मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ था जिस कारण उन्हें दूसरे राज्य जाना पड़ा।

अंशुल कंबोज भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। अंशुल को तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने के कारण बैकअप के रूप में टीम में जोड़ा गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टीम की एजबेस्टन में ऐतिहासिक टेस्ट जीत के हीरो आकाश दीप के बारे में कहा जा रहा है कि वह चोट से उबर रहे हैं, जिसके कारण वह मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में तेज गेंदबाज को इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान 30वां ओवर फेंकने के बाद कूल्हे को पकड़कर सावधानी से चलते हुए देखा गया। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए। आकाश थोड़ी देर बाद मैदान पर लौटे, लेकिन उन्होंने कोई और ओवर नहीं फेंका। वह दिन के अंत में भारतीय टीम के तीन विकेट गिरने के बाद नाइट वॉचमैन के तौर पर बल्लेबाजी करने आए और 11 गेंदें खेली थीं।

भारतीय क्रिकेटरों के बहिष्कार के बाद भारत-पाक मैच रद्द

एजेंसी

लंदन । भारी विरोध के कारण भारत और पाकिस्तान चैम्पियंस टीमों के बीच आज यहां वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तहत होने वाल क्रिकेट मैच रद्द कर दिया। इससे पहले पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन, हरभजन सिंह सहित सभी भारतीय क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने इस मैच के बहिष्यकार की मांग की थी। इनका कहना है कि पाकिस्तान जिस प्रकार आतंकवाद का समर्थन करता है। उस स्थिति में उसके साथ खेला नहीं जा सकता है। डब्ल्यूसीएल ने मैच रद्द किये जाने की घोषणा सोशल

मीडिया पर की है। धवन और हरभजन के अलावा प्रशंसकों का कहना था कि पहलगाम हमले के बाद पाक के खिलाफ किसी भी स्तर पर नहीं खेला जा सकता है। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच में खेलने से इंकार कर दिया। डब्ल्यूसीएल ने लिखा, डब्ल्यूसीएल में हमने हमेशा क्रिकेट को महत्व दिया है और उससे प्यार किया है, और हमारा एकमात्र उद्देश्य प्रशंसकों को कुछ अच्छे, खुशी के पल देना है। यह जानने के बाद की कि हॉकी टीम इस वर्ष भारत आ रही है, तथा हाल ही में भारत बनाम पाकिस्तान वॉलीबॉल मैच तथा दोनों देशों के बीच विभिन्न खेलों के कुछ अन्य मैच देखने के बाद, हमने डब्ल्यूसीएल में भारत और पाकिस्तान मैच जारी रखने के बारे में सोचा। जिससे विश्व भर के लोगों को रोमांचक क्रिकेट देखने को मिले। हो सकता है कि इस प्रक्रिया में हमने कई अनजाने ही लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई हो और उनकी भावनाएं भड़काई हों। इससे भी अधिक, हमने अनजाने में अपने भारतीय क्रिकेट दिग्गजों को असुविधा पहुंचाई, जिन्होंने देश को इतना गौरव दिलाया है, और हमने उन ब्रांडों को भी प्रभावित किया, जिन्होंने खेल के प्रति प्रेम के कारण हमारा समर्थन किया था। हम उन सभी से माफी चाहते हैं।

इसलिए हमने भारत बनाम पाकिस्तान मैच रद्द करने का फैसला किया है। हम भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए एक बार फिर ईमानदारी से माफी मांगते हैं और आशा करते हैं कि लोग यह समझेंगे कि हम बस प्रशंसकों की खुशी के लिए ही ये मैच कर रहे थे।

शुभमन में नेतृत्व क्षमता पर असली परीक्षा अब होगी : ग्रेग चैपल

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने कहा है कि भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल की असली परीक्षा अब होगी। चैपल के अनुसार इससे पता चलेगा कि वह अपनी टीम को कैसा बनाना चाहते हैं। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि अब तक शुभमन ने इस दौर में जबरदस्त बल्लेबाजी के साथ ही कप्तानी कौशल भी दिखाया है। वहीं अब जब भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। उनपर सीरीज में वापसी का दबाव रहो। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉड्र्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गयी थी। वहीं अब दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में उतरेंगी। चैपल ने कहा, भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें

शुभमन पर लगी रहेंगी। इस सीरीज में एक प्रतिभाशाली बल्लेबाज के रूप में उन्होंने अपने को साबित किया है। उनमें नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है पर उनकी असली परीक्षा अभी बाकि है। यह वह अवसर है जो टेस्ट कप्तान के रूप में तय करेगा कि वह किस ओर जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, गिल को यह दिखाना होगा कि वह भारत को किस तरह की टीम बनना चाहते हैं। कप्तान न केवल अपनी बातों से बल्कि अपने प्रदर्शन और स्पष्ट मानदंडों से टीम के अंदर माहौल तय करता है।

आईसीसी ने डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2024 के वैश्विक विजेताओं का किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को आईसीसी डेवलपमेंट अवॉर्ड्स 2024 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा की है।डेवलपमेंट अवॉर्ड्स' 2002 में शुरू किए गए थे, जिनका उद्देश्य आईसीसी के एसोसिएट सदस्य देशों की नई सोच और पहलों को सम्मान देना है। आईसीसी के अनुसार 2024 के अवॉर्ड्स में कुल सात श्रेणियां हैं। इस बार 'आईसीसी एक्स रेक्सोना क्रियो फेस्टिवल ऑफ द ईयर अवार्ड नामक नई कैटेगरी जोड़ी गई है। भूटान,

इंडोनेशिया, नामीबिया, नेपाल, स्कॉटलैंड, तंजानिया, अमेरिका और वानुअतु अवार्ड पाने वाले आठ सदस्य देश हैं। आईसीसी ने बताया कि क्रिकेट नामीबिया को 'आईसीसी डेवलपमेंट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर' चुना गया है। क्रिकेट नामीबिया ने अपने एशबर्टन क्वाटा मिनी-क्रिकेट कार्यक्रम के लिए यह अवार्ड जीता है। इस बार आईसीसी फीमेल क्रिकेट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर का खिताब दो विजेताओं को दिया गया। भूटान क्रिकेट काउंसिल बोर्ड और वानुअतु क्रिकेट एसोसिएशन को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यूएसए क्रिकेट को 'आईसीसी एसोसिएट मेंबर्स मेंस टीम परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर' चुना गया। क्रिकेट स्कॉटलैंड को 'आईसीसी एसोसिएट मेंबर्स वुमेंस टीम परफॉर्मेंस ऑफ द ईयर' से नवाजा गया है। नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन को 'आईसीसी डिजिटल फैन एंगेजमेंट ऑफ द ईयर' का सम्मान मिला है।

कपिल से आगे निकले जडेजा

एजेंसी

लंदन। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड दौरे में अभी तक बल्लेबाजी में काफी सफल रहे हैं और उन्होंने खेली 6 पारियों में 109 के औसत से अब तक 327 रन बनाए हैं। इसमें चार अर्धशतक शामिल हैं। जडेजा हाल ही में महान ऑलराउंडर कपिल देव, शॉन पॉलक और शाकिब अल हसन के क्लब में शामिल हुए हैं। इसमें अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 7000 रन और 600 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों को ही जगह मिली है। 83 मैचों के बाद कपिल और जडेजा के आंकड़ों पर नजर डालें तो जडेजा ने 83 टेस्ट मैचों में

36.97 की औसत से 3,697 रन बनाए हैं। इनमें से 1,358 रन इंग्लैंड के खिलाफ, 705 रन ऑस्ट्रेलिया और 422 व 329 रन न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए हैं। वहीं 83 मैचों के बाद कपिल देव के 31.98 की औसत के साथ 3,486 रनन थे। इनमें से 1,034 रन उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 713 रन पाकिस्तान, 522 रन ऑस्ट्रेलिया और 423 रन श्रीलंका के खिलाफ बनाए थे। इस प्रकार रनों के मामले में जडेजा आगे नजर आते हैं। वहीं 83 मैचों के बाद विकेटों की बात करें तो जडेजा कपिल से थोड़ा आगे नजर आ रहे हैं। जडेजा ने 83 मैचों में अभी तक 24.93 की औसत के साथ 326 विकेट लिए हैं जबकि कपिल ने इतने मैचों में 29.05 की औसत के साथ 300 विकेट लिए थे। हालांकि 5 विकेट लेने के मामले में कपिल , जडेजा से आगे हैं। कपिल देव ने 19 बार पांच विकेट लिए थे जबकि जडेजा ने अभी तक 15 बार ही एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लिए हैं।

रेसलर रिया के साथ जोड़ी बनाना चाहती है निक्की बेला

एजेंसी

सेनडियागो । महिला रेसलर निक्की बेला अब डब्ल्यूडब्यलूई रेसलर रिया रिप्ले के साथ आना चाहती है। निक्की स्टार रेसलर जॉन सीना की पुरानी गर्लफ्रेंड रही हैं। निक्की का मानना है कि रिया रिप्ले के साथ उनकी जोड़ी कमाल कर सकती है। निक्की का मानना है कि रिया में उन्हें अपने और पेज के जोड़ी की झलक दिखती है। साथ ही, उन्हें लगता है कि रिया के साथ उनकी कहानी दर्शकों को पसंद आएगी। निक्की का मानना है कि रिया रिप्ले में बहुत क्षमता है। वह उनके साथ मिलकर कुछ विषेश कर सकती हैं। निक्की ने कहा, मेरी सबसे बड़ी इच्छा रिया रिप्ले के साथ रेसलिंग करने की है। उन्होंने आगे कहा कि रिया उन्हें पेज की याद दिलाती हैं। जैसे

पेज का किरदार जानदार था, वैसा ही कुछ रिया में भी नजर आता है। निक्की ने यह भी कहा कि रिया के साथ उनकी जोड़ी उन्हें रोंडा राउजी और अपनी जोड़ी की याद दिलाती है, जिसमें उनकी बहन ब्री भी शामिल थीं। निक्की को लगता है कि हील वाली भूमिका में वह रिया के साथ जबरदस्त काम कर सकती हैं। उनके अनुसार, रिया में कई परतें हैं और निक्की की भूमिका उन परतों को आगे लाना है।

बिहार में अकादमी खोल रहे पठान बंधु

मधुबनी । पूर्व क्रिकेट इरफान पठान और उनके भाई यूसुफ पठान प्रतिभाशाली क्रिकेटरों को एक मंच देने के लिए बिहार के एक छोटे से शहर मधुबनी में क्रिकेट अकादमी खोलने जा रहे हैं। पठान भाइयों का लक्ष्य छोटे शहरों के बच्चों को भी बेहत कोचिंग की सुविधा देना है। इस अकादमी के लिए रजिस्ट्रेशन अभी से शुरू हो गया है। उम्मीद की जा रही है कि इस महीने के अंत तक या अगले महीने तक इसका उद्घाटन भी करा दिया जाएगा। पठान भाइयों ने पहले से ही देश के कई शहरों में अपनी अकामियां खोली हुई हैं। जिससे प्रतिभावान बच्चों को खेलने में कोई परेशानी न आये। इस कड़ी में दोनों भाइयों ने मिलकर मधुबनी में भी क्रिकेट अकादमी खोलने की ये योजना बनाई है। इसमें नामांकन को लेकर संख्या अभी स्पष्ट नहीं है पर रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है।

टी20 मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच के लिए अपनी प्लेइंग 11 की घोषणा कर दी है। प्लेइंग 11 में युवा खिलाड़ी मिचेल ओवेन को जहां डेब्यू का मौका मिला है, तो वहीं मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैट शॉर्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में जेक फ्रेजर मैकगर्क को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इन दिनों वेस्टइंडीज के दौरे पर हैं। दौरे की शुरूआत तीम मैचों की टेस्ट सीरीज से हुई थी, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से अपने नाम किया। टेस्ट सीरीज अपने नाम करने के बाद अब ऑस्ट्रेलियाई टीम 21 जुलाई (भारतीय समयानुसार) से मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ 5

मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मुकाबला जमैका के किंग्स्टन के सबीना पार्क में खेला जाएगा। इस बीच किंग्स्टन में खेले जाने वाले मैच से एक दिन पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग 11 का ऐलान कर दिया है, जिसमें युवा खिलाड़ी मिचेल ओवेन को डेब्यू का मौका दिया गया है। वहीं, मैट शॉर्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। जमैका में ट्रेनिंग के दौरान शॉर्ट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि मांसपेशियों में खिंचाव ज्यादा गंभीर नहीं है लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें घर वापस भेज दिया गया है। इस वजह से जेक फ्रेजर-मैकगर्क पहले मैच में बतौर सलामी बल्लेबाज खेलते नजर आएंगे। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे टिम डेविड को भी शुरूआती मैच के लिए आराम दिया गया है तथा कूपर कोनोली को सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिच मार्श ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, ‍सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, हम यहां सीरीज जीतने के लिए हैं और हम इसी तरह आगे बढ़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस श्रृंखला के लिए उनके कुछ खिलाड़ी अनुपस्थित हैं, जिन्हें पर्याप्त आराम की आवश्यकता है, लेकिन वे चाहते हैं कि खिलाड़ी लचीले, गतिशील हों, एक टीम के रूप में एकजुट हों। हम नहीं चाहते कि कोई भी यहां आकर यह सोचे कि उसे खुद को साबित करना है।

सेंट माइकल स्कूल, रांची की अंडर-14 बालिका खो-खो टीम ने क्लस्टर-3 टूर्नामेंट में रचा इतिहास

एजेंसी

रांची । सेंट माइकल स्कूल, रांची की अंडर-14 बालिका खो-खो टीम ने सीबीएसई क्लस्टर-3 खो-खो टूर्नामेंट 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता पटना रीजन के अंतर्गत बिहार-झारखंड जोन डीपीएस गिरिडीह में आयोजित की गई थी। पूरे टूर्नामेंट में टीम की बालिकाओं ने तेजी, अनुशासन और समर्पण का अद्भुत परिचय देते हुए विरोधी टीमों के खिलाफ एक के बाद एक जीत

दर्ज की। उनकी निरंतर विजयी लय ने न केवल उन्हें फाइनल तक पहुँचाया, बल्कि फाइनल मुकाबले में भी शानदार जीत हासिल कर रांची का नाम गर्व से रोशन किया। इस ऐतिहासिक जीत में अजीत लाकड़ा और आफताब हुसैन का मार्गदर्शन अत्यंत सराहनीय रहा। उनके निर्देशन में खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो इस विजय की चमक को और अधिक बढ़ाता है।

नेशनल पारा थ्रो बॉल चैंपियनशिप टीम घोषित

एजेंसी

रांची । रविवार को बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबादी रांची के कबड्डी इंडोर स्टेडियम में राज्य स्तरीय यानी झारखंड टीम के लिए चयन शिविर का आयोजन किया गया था इस आयोजन में दोनों ही वर्ग (पुरुष एवं महिला) के विभिन्न खिलाड़ियों ने भाग लिया और बतौर मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुजाता कछप जी मौजूद रहे उनकी मौजूदगी में खिलाड़ियों का चयन किया गया जो निम्न है पुरुष वर्ग में सनोज महतो(कप्तान), मुकेश कंचन, पवन लकड़ा, मुकेश कुमार, भोला लकड़ा, चंदन लोहरा, विपिन कुमार, कमलेश उरांव, राकेश रंजन,

प्रमोद कुमार, जेम्स लकड़ा, परशेंद इंद, राजू महतो, राजेश मेहता महिला वर्ग में महिमा उरांव (कप्तान), प्रतिमा तिर्की, संजुक्ता एक्का, असुंता टोप्पो, अनीता तिर्की, तारामणि लकड़ा, पुष्पा मिंज, सरिता भूट कुमारी, सुनीता कुमारी, शकुंतला लकड़ा, पूनम कुमारी, जयश्री कुमारी, ये सभी खिलाड़ी झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतियोगिता कोयंबटूर तमिलनाडु में 22 अगस्त से 24 अगस्त 2025 से तक आयोजित होने वाला है। खिलाड़ियों ने कहा कि इस बार फिर पूर्व की भांति हमारा झारखंड टीम स्वर्ण लेकर अपना राज्य लौटेंगे। सभी खिलाडियों को सचिव सरिता सिन्हा, अध्यक्ष राहुल मेहता , उपाध्यक्ष पत्रस तिर्की ने सुभकामनाये दिये।

महान और महानतम खिलाड़ियों की सूची में रोहित और बुमराह को मिली जगह

एजेंसी

जमैका। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों की सूची में सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को शामिल न करते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज रोहित शर्मा को शामिल किया है। लारा ने बुमराह को महानतम गेंदबाज बताया जबकि रोहित को महान बल्लेबाज करार दिया। महानतम खिलाड़ियों की सूची में लारा ने चार जबकि महान खिलाड़ियों की सूची में 5 खिलाड़ियों को शामिल किया है। लारा ने अपने सर्वकालिक महानतम खिलाड़ियों में बुमराह के साथ ग्लेन मैक्ग्रा, जैक्स कैलिस और एडम गिलक्रिस्ट को शामिल किया है जबकि महान खिलाड़ियों में रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन

शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है। बुमराह ने अपने करियर में अभी तक खेले 206 मैचों में 20.47 की औसत से 455 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/19 का रहा है, और उन्होंने सभी फॉर्मेट में 17 बार पारी में 5 विकेट हॉल लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में, उन्होंने 47 मैचों में 19.48 की औसत से 217 विकेट लेकर विशेष रूप से प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। ग्लेन मैकग्राथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में 21.76 की औसत से 949 विकेट लेकर पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वह 563 विकेटों के साथ ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल टेस्ट तेज गेंदबाज हैं और उन्होंने तीन वर्ल्ड कप जीते हैं, जिसमें 71 विकेटों के साथ सर्वाधिक वर्ल्ड कप विकेट लेने का रिकॉर्ड उनके नाम है। जैक कैलिस की हरफनमौला क्षमताओं ने उन्हें दोनों प्रारूपों में 10,000 से ज्यादा रन और 500 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट दिलाए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 49.10 की औसत से 25,534 रन बनाए हैं, जिसमें 62 शतक शामिल हैं। उनके गेंदबाजी रिकॉर्ड में 577 अंतरराष्ट्रीय विकेट शामिल हैं, जिनमें 6/54 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है।

एडम गिलक्रिस्ट ने विकेटकीपर-बल्लेबाजी में एक नया आयाम स्थापित किया है और 396 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 38.94 की औसत से 15,461 रन बनाए हैं, जिसमें 33 शतक शामिल हैं। उनका टेस्ट रिकॉर्ड खास तौर पर प्रभावशाली है, जिसमें 47.60 की औसत और 81.95 की स्ट्राइक रेट से 5,570 रन शामिल हैं। उन्होंने सभी फॉर्मेट में कुल 905 शिकार किए जो सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है।

लारा ने अपनी लीजेंड श्रेणी में कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया, जिनमें रोहित के अलावा क्रिस गेल, शाहीन शाह अफरीदी, केविन पीटरसन और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी शामि है। रोहित ने 499 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 42.18 की औसत से 19,700 रन बनाए हैं। उनके नाम सीमित ओवरों के क्रिकेट में कई रिकॉर्ड हैं, जिनमें सबसे ज्यादा विश्व कप शतक और सबसे ज्यादा टी20 शतक शामिल हैं। वह एकदिवसीय में सबसे अधिक 3 दोहरे शतक जड़ने वाले भी बल्लेबाज हैं।

लंदन में डायमंड लीग एथलेटिक्स में जमैकाई एथलीट ओबलिक्यू सवेली जीत के बाद उत्साहित होते हुए।

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- **आदिनाथ शिव**

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

- **शिव के अस्त्र-शस्त्र**

शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

- **शिव का नाग**

शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

- **शिव की अर्द्धांगिनी**

शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

- **शिव के पुत्र**

शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं- गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

- **शिव के शिष्य**

शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न-भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं- बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

- **शिव के गण**

शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग-नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

- **शिव पंचायत**

भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

- **शिव के द्वारपाल**

नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा-महेश्वर और महाकाल।

- **शिव पार्षद**

जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

- **सभी धर्मों का केंद्र शिव**

शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक

ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

- **देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव**

भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

- **शिव चिह्न**

वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

- **शिव की गुफा**

शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

- **शिव के अवतार**

वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं- कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

- **शिव का विरोधाभासिक परिवार**

शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

- **शिव के पैरों के निशान**

श्रीपद- श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।

रुद्र पद- तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।

तेजपुर- असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।

जागेश्वर- उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।

रांची- झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी-देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा-अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान-पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला- ऊं नम: शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र- ऊं हरौं जू स:। ऊं भू: भुव: स्व:। ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व: भुव: भू: ऊं। स: जू ह्रौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं- तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश: स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

- **शिव महिमा**

शिव ने कालकूट नामक विष पिया था जो अमृत मंथन के दौरान निकला था। शिव ने भस्मासुर जैसे कई असुरों को वरदान दिया था। शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया था। शिव ने गणेश और राजा दक्ष के सिर को जोड़ दिया था। ब्रह्मा द्वारा छल किए जाने पर शिव ने ब्रह्मा का पांचवां सिर काट दिया था।

- **शैव परम्परा**

दसनामी, शाक्त, सिद्ध, दिगंबर, नाथ, लिंगायत, तमिल शैव, कालमुख शैव, कश्मीरी शैव, वीरशैव, नाग, लकुलीश, पाशुपत, कापालिक, कालदमन और महेश्वर सभी शैव परंपरा से हैं। चंद्रवंशी, सूर्यवंशी, अग्निवंशी और नागवंशी भी शिव की परंपरा से ही माने जाते हैं। भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं। शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है।

- **शिव के प्रमुख नाम**

शिव के वैसे तो अनेक नाम हैं जिनमें 108 नामों का उल्लेख पुराणों में मिलता है लेकिन यहां प्रचलित नाम जानें- महेश, नीलकंठ, महादेव, महाकाल, शंकर, पशुपतिनाथ, गंगाधर, नटराज, त्रिनेत्र, भोलेनाथ, आदिदेव, आदिनाथ, त्रियंबक, त्रिलोकेश, जटाशंकर, जगदीश, प्रलयंकर, विश्वनाथ, विश्वेश्वर, हर, शिवशंभु, भूतनाथ और रुद्र।

- **अमरनाथ के अमृत वचन**

शिव ने अपनी अर्धांगिनी पार्वती को मोक्ष हेतु अमरनाथ की गुफा में जो ज्ञान दिया उस ज्ञान की आज अनेकानेक शाखाएं हो चली हैं। वह ज्ञानयोग और तंत्र के मूल सूत्रों में शामिल है। 'विज्ञान भैरव तंत्र' एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें भगवान शिव द्वारा पार्वती को बताए गए 112 ध्यान सूत्रों का संकलन है।

- **शिव ग्रंथ**

वेद और उपनिषद सहित विज्ञान भैरव तंत्र, शिव पुराण और शिव संहिता में शिव की संपूर्ण शिक्षा और दीक्षा समाई हुई है। तंत्र के अनेक ग्रंथों में उनकी शिक्षा का विस्तार हुआ है।

- **शिवलिंग**

वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन: सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत: यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु-नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा-अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**

सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**

शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**

शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं- शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग-अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत: शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**

भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3

स्क्रिप्ट-किरदार पसंद नहीं आया, अब नेगेटिव रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से बातचीत जारी

फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी। मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

कियारा आडवाणी ने भी छोड़ी फिल्म

जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है।

जनवरी 2026 में शुरू होगी शूटिंग

फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले मेकर्स 2025 से शूटिंग शुरू करना चाहते थे। बताते चलें कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है।

प्रीति झंगियानी ने दीपिका का किया समर्थन

हाल ही में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शूटिंग शिफ्ट की मांग को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में बहस छिड़ गई है। इस मामले पर कई सेलेब्स ने अपने विचार साझा किए हैं। ऐसे में इस मामले पर अभिनेत्री और बिजनेसवुमन प्रीति झंगियानी ने खास बातचीत में दीपिका पादुकोण की आठ घंटे की शिफ्ट की मांग

दीपिका ने आठ घंटे की शिफ्ट की मांग की थी

आपको बता दें दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान छह से आठ घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी थी। इसकी वजह यह थी कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थीं। उनकी इस मांग के बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया गया। उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। संदीप रेड्डी ने बाद में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी की थी, जिसमें दीपिका को भला-बुरा कहा था। इसके बाद इस मामले पर कई सेलेब्स की प्रतिक्रिया आई।

पुरुष एक्टर्स की मांग पर नहीं उठता सवाल

प्रीति झंगियानी ने बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि आठ घंटे की शिफ्ट की मांग करना कुछ गलत है। खासकर जब कोई नई मां हो, तब तो यह एक बहुत ही जायज और समझदारी भरी मांग है। आठ घंटे की शिफ्ट दुनिया भर में स्टैंडर्ड मानी जाती है। मैं खुद एक्ट्रेस हूं और मैंने 13 से 14 घंटे तक की शिफ्ट्स की हैं। हमें फिल्म के लिए अपना सौ प्रतिशत देना होता है, यह हम जानते हैं। लेकिन जब पुरुष एक्टर्स छह बजे के बाद शूटिंग नहीं करते या समय से पहले पैकअप मांगते हैं, तो उस पर कोई सवाल नहीं उठता। फिर जब कोई महिला, खासकर

एक्ट्रेस, अपने लिए एक सीमित वर्किंग टाइम की बात करती है, तो क्यों इतनी चर्चा और बहस होती है?

हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए

प्रीति झंगियानी ने आगे कहा इंडस्ट्री में बहुत बार ऐसा हुआ है कि किसी एक्ट्रेस ने किसी प्रोजेक्ट को इसलिए मना कर दिया क्योंकि वह कुछ निजी कारणों से उस वक्त शूटिंग नहीं करना चाहती थीं लेकिन उस पर कभी बहस नहीं हुई। हर किसी को अपने हालात के अनुसार काम करने का हक होना चाहिए। हर प्रोजेक्ट की जरूरतें अलग होती हैं। बातचीत आपसी समझदारी और सम्मान से होनी चाहिए, ना कि जजमेंट से। दीपिका की बात बहुत सही है। ये बहस ही दिखाती है कि हमें वर्कप्लेस पर महिला कलाकारों के प्रति समझ बढ़ानी चाहिए।

प्रीति जल्द ही फिल्म उदयपुर फाइल्स में नजर आएंगी, जिसमें वह पत्रकार अंजना सिंह की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है और रिलीज से पहले ही चर्चा में है। फिल्म के अलावा प्रीति का काम प्रीति जल्द ही प्रो पंगा लीग सीजन 2 के साथ लौट रही हैं।

धड़क 2 में सिद्धांत चतुर्वेदी का अभिनय देख भावुक हुईं तृप्ति डिमरी

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों धड़क 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में जो अभिनय किया है, उसे देख वह भावुक हो गईं। खास बातचीत में तृप्ति डिमरी ने सिद्धांत चतुर्वेदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सिद्धांत ने फिल्म में बहुत अच्छे से अपनी भावनाओं को दिखाया है, जिसे देख वह खुद भी भावुक हो गईं। उनका अभिनय बहुत गहरा और शानदार है। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, सच कहूं, तो फिल्म में सिद्धांत के साथ काम करना काफी अच्छा अनुभव था। वह बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेता हैं। उन्होंने दिलोजान से अपना किरदार निभाया है। जब मैंने पहली बार फिल्म देखी, तो मैंने तुरंत उन्हें फोन किया और कहा, यह तुम्हारे करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन अभिनय है। मैं सच में उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे महसूस करेंगे। उन्होंने निलेश के किरदार को गहराई और सच्चाई के साथ उतारा है।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस फिल्म में क्या खास बात लगी, तो एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा कहानी का भावुक पहलू और अपने किरदार की जटिलता ने आकर्षित किया। तृप्ति ने कहा, जब मैंने पहली बार शाजिया से कहानी सुनी थी, तो मेरे मन में कई सवाल उठे, सिर्फ फिल्म के बारे में ही नहीं, बल्कि उसके विषय के बारे में भी। मुझे कहानी से एक गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। घर पर भी मैं बार-बार उस कहानी, उस दुनिया और खासकर वेधी के बारे में सोचती रही, मैं यही किरदार निभा रही हूं । ये सब सवाल मेरे मन में चल रहे थे। तभी मुझे एहसास हुआ कि यह एक अहम किरदार है, इसे करना सही फैसला होगा, इसकी कहानी को लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। ।

पुलकित सम्राट ने अपनी फिल्म राहु केतु की शूटिंग पूरी की

अपने सहज अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की शूटिंग आधिकारिक रूप से पूरी कर ली है। इस फिल्म की घोषणा इसी वर्ष अप्रैल में की गई थी और यह पुलकित की कॉमेडी शैली में वापसी का प्रतीक है। पुलकित सम्राट ने अपने सोशल मीडिया पर वरुण शर्मा के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा- राहु केतु सिर्फ एक फिल्म नहीं होगीज यह एक ग्रह-स्तरीय अनुभव बनने जा रही है! इस शूट की सारी ऊर्जा, प्रेम और ग्रह-स्तरीय उथल-पुथल हमारे साथ लंबे समय तक बनी रहेगी जल्द ही सिनेमाघरों में मिलते हैं! इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है और इसमें पुलकित सम्राट के साथ शालिनी पांडे और वरुण शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

नई पारी शुरू करने जा रहीं श्वेता त्रिपाठी, तिलोत्तमा शोम के साथ मिलाया हाथ

वेब सीरीज मिर्जापुर और फिल्म मसान में बेहतरीन अदाकारी करने वाली अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब नई पारी शुरू करने के लिए तेयार हैं। वह जल्द ही प्रोडक्शन में डेब्यू करेंगी। वह अपनी पहली फीचर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान का प्रोडक्शन करने जा रही हैं। इसके लिए उन्होंने पाताल लोक की अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म में विचित्र प्रेम कहानी दिखाई जाएगी और इसमें तिलोत्तमा शोम के साथ श्वेता त्रिपाठी भी होंगी।

श्वेता त्रिपाठी के दिल के करीब है फिल्म

वैरायटी के मुताबिक श्वेता त्रिपाठी ने कहा यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। इसलिए नहीं कि बतौर प्रोड्यूसर यह मेरी पहली फिल्म है बल्कि इसकी कहानी की वजह से। उन्होंने आगे कहा प्रेम कहानियां बहुत ही ईमानदारी, खूबसूरती और सूक्ष्मता से बताई जानी चाहिए। चूंकि इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम हैं, इसलिए यह और खास है। वह ना सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेत्री हैं बल्कि वह ऐसी इंसान हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करती हूं। लंबे समय से मैं चाहती थी कि हम साथ में काम करें। उनके बगैर मैं इस प्रोजेक्ट को शुरू नहीं कर सकती।

अहम किरदार निभाएंगी तिलोत्तमा

फिल्म में तिलोत्तमा शोम अहम किरदार निभाएंगी। इसका निर्देशन नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू हो सकती है। श्वेता त्रिपाठी मसान, हरामखोर, द इलीगल, कार्गो और कंजूस मक्खीचूस जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह वेब सीरीज क्या मस्त है लाइफ, मिर्जापुर और लाखों में एक में नजर आ चुकी हैं। तिलोत्तमा शोम ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं जिनमें मानसून वेडिंग, सर, शैडोबॉक्स और ए डेथ इन द गूंज शामिल हैं। वह दिल्ली क्राइम, द नाइट मैनेजर, और पाताल लोक जैसे शोज में नजर आई हैं।

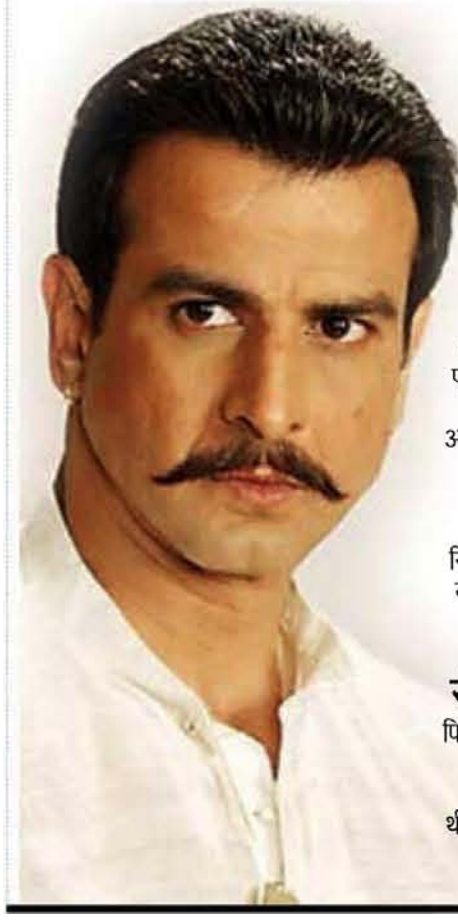

सीरियल अनुपमा में दिखेंगे रोनित रॉय, सुधांशु पांडे की जगह लेंगे

पॉपुलर टेलीविजन शो 'अनुपमा' को लेकर एक बार फिर से चर्चे होने लगे हैं। कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट लाते हुए मेकर्स ने अब अभिनेता रोनित रॉय को शो का हिस्सा बनाने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वो अब वनराज शाह की भूमिका निभाएंगे, जिसे पहले अभिनेता सुधांशु पांडे निभा रहे थे। सुधांशु की विदाई के बाद से ही ये किरदार पर्दे से गायब था, लेकिन अब शो में नई जान डालने के लिए रोनित रॉय की एंट्री होने जा रही है।

रोनित रॉय की शो में होगी एंट्री

पिछले कुछ समय से अनुपमा की टीआरपी में गिरावट देखी गई थी, खासकर जनरेशन लीप के बाद दर्शकों की रुचि में कमी आई थी। इस कारण मेकर्स ने फैसला लिया है कि पुराने पसंदीदा किरदारों को दोबारा लाया जाए। रोनित रॉय जैसे अनुभवी और लोकप्रिय अभिनेता की एंट्री को दर्शकों के साथ शो को फिर से जोड़ने की एक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। खबरों की मानें तो कसौटी जिंदगी की और क्योंकि सास भी कभी बहू थी जैसे सुपरहिट शोज में दमदार अभिनय के लिए पहचान बनाने वाले रोनित रॉय अब अनुपमा में एक बार फिर टीवी स्क्रीन पर लौटने जा रहे हैं।

अनुपमा ने की नई शुरुआत

वहीं शो की लीड किरदार अनुपमा अब भी अपनी जगह कायम हैं और मुंबई में एक नई जिंदगी की शुरुआत करती दिखाई दे रही हैं, जिसमें खाना पकाने और डांस के जरिए वो अपने सपने को जीने की कोशिश कर रही हैं।

गौरव खन्ना की वापसी की अटकलें

इसके अलावा, सोशल मीडिया पर ये अटकलें भी तेज हैं कि अभिनेता गौरव खन्ना, जो शो में अनुज कपाड़िया की भूमिका निभा रहे थे, वो जल्द ही वापसी कर सकते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उनका शो से जाना सिर्फ एक कॉमा था, फुलस्टॉप नहीं जिससे फैंस की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

क्योंकि... को रोनित ने किया मना?

बता दें 25 वर्षों बाद जब क्योंकि सास भी कभी बहू थी का रिबूट वर्जन फिर से आ रहा है तो ये भी रिपोर्ट्स आई कि रोनित ने शो को करने से मना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमर उपाध्याय से पहले मिहिर के रोल के लिए रोनित को ही अप्रोच किया गया था। एक इंटरव्यू में रोनित ने साफ किया था कि वो क्योंकि सास भी कभी बहू थी के रिबूट वर्जन का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि शो को दोबारा लाया जा रहा है लेकिन फिलहाल वो इसके लिए उपलब्ध नहीं हैं।

जंगल एडवेंचर फिल्म से करेंगे डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे अरिजीत सिंह, कहानी भी खुद ही लिखी

फेमस सिंगर अरिजीत सिंह गायिकी के बाद अब डायरेक्शन में हाथ आजमाने वाले हैं। सिंगर जल्द ही बिग बजट जंगल एडवेंचर थीम से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म की कहानी खुद सिंगर ने ही लिखी है। इस फिल्म को महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अरिजीत और महावीर अनोखी जंगल एडवेंचर वाली इस फिल्म को पैन इंडिया ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाने वाले हैं। खबरों की माने तो फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और कास्टिंग का काम चल रहा है। कास्टिंग और फिल्म का टाइटल तय होने के बाद टीम फिल्म की अनाउंसमेंट करेगी। फिल्म को महावीर जैन के अलावा अलोकद्युति फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं, जबकि गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

जमीन दिखाकर करोड़ों हड़पने वाला 50 हजार का इनामी जालसाज पकड़ा गया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा एयरपोर्ट के पास जमीन दिखाकर करोड़ों रुपए हड़पने वाले गैंग मास्टरमाइंट को ग्रेटर नोएडा वेस्ट जोन की थाना सेक्टर-63 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 50

चेतना मंच की खबरों का असर

हजार रुपए के इनाम घोषित किया गया था। वह करीब 20 महीने से फरार चल रहा था, जिसके पीछे पुलिस की टीम लगी हुई थी। अब पुलिस टीम को सफलता हांथ लगी है। गैंग का एक अन्य जालसाज फरार है, जिसकी तलाश में भी पुलिस छापेमारी कर रही है। इस खबर को **चेतना मंच** लगातार प्रमुखता से प्रकाशित करता रहा है। अंतत: पुलिस ने संज्ञान लेकर कार्रवाई की।

पीड़ित गौरव शर्मा और उनके पार्टनर को ग्रेटर नोएडा एयरपोर्ट के पास जमीन की जरूरत थी, तो गिरफ्तार मास्टर माइंड रविन्द्र शर्मा पुत्र किशन शर्मा निवासी ग्राम तुगलपुर हल्दौना, थाना नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा वर्तमान निवासी गामा-2, थाना बीटा-2 ग्रेटर नोएडा से हुई। उसने बताया कि वह उन्हें एयरपोर्ट के पास ही अरबों की जमीन को करोड़ों रुपयों में दिलवा देगा। पीड़ित जमीन देखने पर राजी हो गए। आरोपी एयरपोर्ट के पास पीड़ित को जमीन दिखाने भी लेकर गए। यहां पर पीड़ितों को जमीन पसंद भी आ गई। उन्होंने चंद ही जमीन का सौदा कर डाला और जालसाजों के खाते में 24 करोड़ रुपए ट्रांसफर भी कर दिए।

करोड़ों रुपए ट्रांसफर करने के बाद पीड़ित जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे, तो वहां पर पता चला कि यह जमीन किसी अन्य शख्स की है। जब पीड़ितों ने जमीन के पेपर चेक कराए, तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गए। पीड़ितों को जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि आरोपियों ने जिस जमीन को उन्हें बेचा है। उसके कागज फर्जी तरीके से तैयार कराए थे। इन्हीं कागजों को दिखाकर जालसाजों ने उन्हें अपने फर्जीबाड़े में फंसा लिया और उनसे करोड़ों रुपए खातों में ट्रांसफर करा लिए। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों से मिलकर पीड़ित ने मामले की शिकातय की। शिकायत के बाद करीब आधा दर्जन से अधिक जालसाजों के खिलाफ स्न्ड्ढक्र दर्ज किया गया।

आरोपियों से पीड़ित गौरव शर्मा की 2022 में मुलाकात हुई थी। ग्रेटर नोएडा एयरपोर्ट के पास जालसाजों ने उन्हे जमीन दिखाई और फर्जी दस्तावेज दिखाकर रजिस्ट्री कर दी। जब वह जमीन पर कब्जा लेने पहुंचे, तो पूरे जालसाजी का पता चला। आरोपी 24 करोड़ हड़प कर फरार हो गए। छह दिसंबर 2023 को पीड़ित ने इस मामले में थाना सेक्टर-63 में केस दर्ज कराया था। इसके बाद से पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अब तक 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि 11 आरोपियों ने कोर्ट से गिरफ्तारी पर स्टे ले रखा है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में नामजद के अलावा आठ और आरोपियों के नाम प्रकाश में आए। जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पूर्व में जेल गए 10 आरोपी अभी तक जेल में हैं। अभी दो और आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी थी। जिनमें से एक आरोपी की नोएडा पुलिस ने ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर चढ़ने वाले कट से गिरफ्तार किया।

भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान से की सेक्टर-34 की समस्याओं पर चर्चा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 स्थित उदयगिरि प्रथम बी-10 में भाजपा नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान का अमित पोरवाल के निवास स्थान पर सेक्टर वासियों ने पुष्प गुच्छ एवं राम दरबार भेंट कर स्वागत किया और सेक्टर संबंधी समस्याओं पर चर्चा की।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के युवा अध्यक्ष एवं सेक्टर निवासी अमित पोरवाल ने बताया की आज हमारे सेक्टर में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान पधारे यह हमारे लिए बड़े हर्ष का विषय है हमने उनके साथ अपने सेक्टर की समस्याओं जैसे आरडब्लूए का दोबारा चुनाव एवं गेटों का पुन: निर्माण, साफ सफाई व्यवस्था आदि विषय पर चर्चा की गई जिस पर महेश चौहान ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष ओमवीर अवाना, मनोज चौहान (जिला मंत्री) भूपेश चौधरी पूर्व क्षेत्र मंत्री युवा मोर्चा, देवेंद्र सिंह सैनिक विहार मंडल कोषाध्यक्ष, अतुल त्यागी मीडिया प्रभारी सैनिक विहार मंडल के साथ-साथ सेक्टर के वरिष्ठ लोग मौजूद रहे।

जातीय जनगणना में 'नो कास्ट कॉलम' के आंदोलन की मंत्री ने सराहना

नोएडा (चेतना मंच)। भारत जागरूक नागरिक संगठन का प्रतिनिधिमंडल मंत्री एवं चेयरमैन (उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चर रिसर्च) विकास गुप्ता से नोएडा में मिला।

संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र वर्णवाल ने उन्हें जातिगत जनगणना में 'नो कास्ट कॉलम' के महत्व के बारे में मंत्री जी को जानकारी दी। विकास गुप्ता ने धैर्य पूर्वक इस आंदोलन की महत्व एवं आवश्यकता को सुना।

उन्होंने इस आंदोलन की सराहना की और कहा कि आधुनिक युग में विचार के साथ-साथ समाज में भी परिवर्तन हो रहे हैं। इसलिए सरकार को खुले मन से जातीय जनगणना में 'नो कास्ट कॉलम' के मुद्दे पर विचार करना चाहिए।

प्रतिनिधि मंडल में शैलेंद्र वर्णवाल अरविंद गुप्ता राहुल संस्कृत नवीन पोरवाल शैलेंद्र पोरवाल इंदु यादव आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन की माताजी श्रीमती विमला देवी जैन के निधन पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते सेक्टर-115 कार्यालय पहुंचे श्री 1008 स्वामी पदमनारायण आचार्य।

30 सित. तक 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान'

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर मलखान सिंह के निर्देशों के क्रम में 1 जुलाई से 30 सितम्बर 2025 तक 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान' का आयोजन जनपद में प्रभावी रूप से किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा सर्वोच्च न्यायालय की कंसिलीएशन प्रोजेक्ट समिति के दिशा-निर्देशन में संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को उनके विवादों का शीघ्र, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान उपलब्ध कराना है।

एनईए ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के उद्यमियों की सबसे बड़ी संस्था एनईए द्वारा आज अपने सामाजिक दायित्वों के तहत शहर के बेहतरीन चिकित्सकों के साथ जांच और चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर हजारों

864 लोगों ने उठाया शिविर का लाभ

लोगों ने विभिन्न मेडिकल जांच और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।

सेक्टर-6 स्थित एनईए कार्यालय में आयोजित चिकित्सा शिविर में शहर के वरिष्ठ चिकित्सक जी सी वैष्णव समेत दर्जन भर चिकित्सकों ने हजारों महिला पुरुषों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व परामर्श प्रदान किया। शिविर में सुबह से ही विभिन्न जांच कराने वालों की भीड़ लग गई। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने भी इस अवसर पर लीवर की फाइबरो स्कैन जांच कराई। एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन, उपाध्यक्ष कोहली समेत समूची एनईए कार्यकारणी ने शिविर में आए लोगों की पूरे समय जांच आदि कराने में मदद की।

ब्राह्मण समाज महासंघ का सम्मान समारोह सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। भाऊ राव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर-12 नोएडा में ब्राह्मण समाज महासंघ ने सम्मान समारोह एवं काव्य पाठ का आयोजन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल राजस्थान कल राज मिश्र, विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, बीजेपी गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा की उपस्थिति हुई।

ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न वर्गों के लोगों को सम्मानित किया। कुछ बच्चों को जिन्होंने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए उनको भी सम्मानित साथ ही कवियों ने काव्य पाठ किया।

ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा, के.के. मिश्रा, दिनेश मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, संदीप शर्मा, विनय मिश्रा की टीम ने सर्व समाज को संगठित करने का प्रयास किया।

सांसद दिनेश शर्मा के आवास पर जुटे ब्राह्मण समाज के लोग

नई दिल्ली (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा के दिल्ली स्थित आवास पर देश भर ब्राह्मण समाज के प्रबुद्ध लोगों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ब्राह्मण समाज के उत्थान पर विस्तृत चर्चा हुई।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के उत्थान के लिए सभी को एकजुट होना होगा। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए सभी को अपना योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने का भी प्रयास किया जाए जिससे समाज का उत्थान हो सके। बैठक में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ब्राह्मण समाज के लोगों तथा अन्य कई विषयों पर भी विस्तृत चर्चा एवं मंथन हुआ।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री व राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, डॉ. वंदना वशिष्ठ, डॉ. सतीश शर्मा, पूर्व एमएलसी पश्चिम बंगाल से अरविंद भट्टाचार्य ,इंदौर मध्य प्रदेश से संतोष शुक्ला, पूर्व आईएएस डॉक्टर अजय शंकर पांडे, शरद वशिष्ठ, मोहनलाल शर्मा दिल्ली , अतुल कौशिक, हरीश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।